सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" सच्चाई की राह थोड़ी मुश्किल है,
लेकिन सुकून इसी में है...
झूठ के सहारे कभी दिल शांत नहीं होता..!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-235 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 13 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

'16 घंटे' के राज से जल्द उठेगा पर्दा, बसपा में फिर अंदरूनी हलचल तेज

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मायावती और अशोक सिद्धार्थ के बीच सबकुछ ठीक नहीं है

नई दृष्टिबिंदु / लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती आर-पार के मूड में हैं। पार्टी में एक बार फिर अंदरूनी हलचल तेज हो गई है और मामला आकाश आनंद और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ से जुड़ा बताया जा रहा है। मायावती के हालिया तेवरों से संकेत है कि आकाश आनंद प्रकरण में अभी कई पन्ने पलटने बाकी हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मायावती और अशोक सिद्धार्थ के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। मायावती ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा कि उस '16 घंटे' का हिसाब होगा, जो अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास के फैसले में लगाए थे। मायावती का दावा है कि अशोक सिद्धार्थ ने फैसला बदलने के लिए तमाम जतन किए, लेकिन बात नहीं बनने पर मजबूरी में संन्यास का ऐलान किया गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक मायावती जल्द ही इस बात का खुलासा कर सकती हैं कि अशोक सिद्धार्थ किस दबाव में थे।

बताया जाता है कि 2006 की अपनी

'ब्लू बुक' में मायावती ने स्पष्ट किया था कि वह कांशीराम की तर्ज पर परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में नहीं लाएंगी। हालांकि बाद में राजनीतिक परिस्थितियों के चलते उन्होंने भाई आनंद कुमार को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया और फिर भतीजे आकाश आनंद को आगे बढ़ाया।

आकाश आनंद की शादी अशोक सिद्धार्थ की बेटी प्रज्ञा से हुई है। अशोक सिद्धार्थ कभी मायावती के बेहद करीबी माने जाते थे और यूपी सरकार में मंत्री और राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। पार्टी में जैसे-जैसे आकाश का कद बढ़ा और कार्यकर्ता मायावती के साथ-साथ उन्हें भी तरजीह देने लगे, समीकरण बदलने लगे। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं को यह रास नहीं आया। चर्चा है कि मायावती को भी यह नागवार गुजरा कि भतीजा उनकी बजाय ससुर की सलाह पर चले। इसी खींचतान में अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया। फिलहाल मायावती नेताओं से दूरी बनाए हुए हैं और इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद बसपा का अगला कदम क्या होगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

UP Election 2027 बीजेपी विधायकों की बढ़ी टेंशन, चार लेवल के सर्वे से तय होगा टिकट

एंटी-इंकंबेंसी, यूजीसी विवाद और जातीय समीकरण बनी बड़ी चुनौती

नई दृष्टिबिंदु / लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अभी से कमर कस ली है। लगातार 10 साल सरकार चलाने के बाद पार्टी के सामने एंटी-इंकंबेंसी के साथ कई नई सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियां खड़ी हैं। जिताऊ चेहरों को उतारने के लिए पार्टी सख्त रणनीति पर काम कर रही है।

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव से छह माह पहले कराए गए आंतरिक सर्वे ने खतरे की घंटी बजाई है।

सामने आई बड़ी चुनौतियों में यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस 2026 और आरक्षण को लेकर सवर्ण युवाओं-शिक्षकों की नाराजगी, बेरोजगारी, पेपर लीक और संविदा नौकरियों को लेकर जेन-जी का असंतोष, सपा की जातीय जनगणना और आरक्षण की मांग से बिगड़ते सामाजिक समीकरण तथा बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं और विधायकों की उपेक्षा का मुद्दा शामिल है।

दूसरा सर्वे शासन यानी सीएम स्तर पर होगा, जिसमें विधायक की जनता के बीच सुलभता और विकास कार्यों से संतुष्टि को परखा जाएगा।

चार स्तर पर सर्वे से परखा जाएगा प्रदर्शन

मौजूदा विधायकों के कामकाज को परखने के लिए भाजपा चार अलग-अलग स्तर पर सर्वे करा रही है। खराब प्रदर्शन वाले विधायकों का टिकट कटना तय माना जा रहा है। पहला सर्वे प्रदेश संगठन स्तर पर होगा, जिसमें 15 पैमानों जैसे विधानसभा में उपस्थिति, सवाल, विधायक निधि का उपयोग, क्षेत्र में सक्रियता और पार्टी कार्यक्रमों में भागीदारी पर रेटिंग होगी।

तीसरा सर्वे पेशेवर एजेंसी यानी अमित शाह मॉडल के तहत होगा, जिसमें आंकड़ों, जातीय समीकरण और जीत की संभावना के आधार पर हर सीट पर 2-3 वैकल्पिक नामों का आकलन होगा। अंतिम फैसले में इसकी भूमिका अहम मानी जाती है।

चौथा सर्वे आरएसएस की जमीनी रिपोर्ट के आधार पर होगा, जिसमें प्रचारक और विस्तारक बूथ स्तर तक जाकर राय लेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार चार में से कम से कम दो सर्वे में प्रदर्शन खराब मिलने पर विधायक का टिकट काटा जा सकता है।

हसदेव में जहर बनता पानी : अटेम नदी में घुल रहा कोल वॉशरी का केमिकल

NGT नियमों की उड़ रही धज्जियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर/हसदेव

छत्तीसगढ़ के उत्तर में फैला हसदेव अरण्य सिर्फ पेड़ों का जंगल नहीं, बल्कि मध्य भारत का पारिस्थितिकीय हृदय है। लाखों आदिवासियों की आजीविका, वन्य जीवों का आशियाना और हसदेव नदी का कैचमेंट इसी जंगल पर टिका है। लेकिन अंधाधुंध कोयला खनन ने इस समृद्ध जंगल को गहरी खाइयों और जहरीले पानी में बदल दिया है। ताजा मामला हसदेव क्षेत्र में संचालित कोल वॉशरी से जुड़ा है, जहां से निकलने वाला जहरीला पानी सीधे नदियों में छोड़ा जा रहा है।

अटेम नदी में घुलता जहर

स्थानीय ग्रामीणों की शिकायत और जमीनी रिपोर्ट के अनुसार, कोयला खनन के बाद कोयले को साफ करने के लिए संचालित कोल वॉशरी का केमिकल युक्त गंदा पानी बिना किसी प्रभावी ट्रीटमेंट प्लांट (ETP) के सीधे साल्ही नाले में छोड़ा जा रहा है।

यह साल्ही नाला आगे जाकर हसदेव की प्रमुख सहायक नदी अटेम नदी में मिलता है। वॉशरी के काले और झागदार पानी के मिलने से अटेम नदी का प्राकृतिक जल पूरी तरह दूषित हो गया है। नदी का पानी काला पड़ चुका है।

इसका सीधा असर जलीय जीवों पर पड़ रहा है। मछलियां और अन्य जीव तेजी से खत्म हो रहे हैं। वहीं इसी पानी पर निर्भर मवेशियों के बीमार होने और ग्रामीणों में त्वचा रोग और स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें बढ़ने की बात सामने आ रही है। नदी किनारे बसे गांवों के लिए यही पानी पीने और खेती का एकमात्र सहारा था, जो अब जहर बनता जा रहा है।

NGT के नियमों का खुला उल्लंघन

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (ठत्र्छ) के नियम बेहद स्पष्ट हैं - किसी भी औद्योगिक इकाई या कोल वॉशरी का दूषित पानी बिना ट्रीटमेंट के प्राकृतिक जल स्त्रोतों में नहीं छोड़ा जा सकता। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत जीरो लिक्विड डिस्चार्ज का पालन अनिवार्य है। इसके बावजूद हसदेव में इन नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हैरानी की बात यह है कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल जैसी नियामक एजेंसी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। स्पष्ट सबूतों, काले पानी की तस्वीरों और ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद भी धरातल पर कोई ठोस कारर्वाई नहीं हो रही है।

छत्तीसगढ़ के फेफड़ों पर मंडराता संकट, आदिवासियों की जीवनरेखा पर खतरा

ग्राम सभा से लेकर हाथी कॉरिडोर तक की अनदेखी

हसदेव केवल जल प्रदूषण का मामला नहीं है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लगातार नई खदानों को स्वीकृति दी जा रही है। स्थानीय ग्राम सभाओं के कड़े विरोध प्रस्तावों, लेमरू हाथी कॉरिडोर के विनाश की चेतावनियों और भविष्य के गंभीर जल संकट की आहट को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। पर्यावरणविदों का आरोप है कि कॉरपोरेट हितों को लाभ पहुंचाने के लिए पर्यावरण कानूनों और सुरक्षा मानकों को लगातार कमजोर किया जा रहा है, जिससे हसदेव जैसे नाजुक इको-सिस्टम का अस्तित्व ही संकट में पड़ गया है।

हसदेव का सवाल अब सिर्फ एक जंगल का सवाल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पानी, हवा और आदिवासी अस्मिता के भविष्य का सवाल बन चुका है।

सेक्टर-9 अस्पताल के ICU में बिजली गुल होने पर विधायक देवेन्द्र यादव ने जताया आक्रोश, प्रबंधन को लिखा पत्र

बिजली बंद रहना सीधे मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ है

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 में गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में बिजली बंद होने की घटना को लेकर भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक, नगर प्रशासन एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, बीएसपी प्रबंधन को पत्र लिखकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। विधायक यादव ने पत्र में उल्लेख किया है कि दिनांक 11/09/2026 को सेक्टर-9 अस्पताल के ICU में विद्युत आपूर्ति बंद होने की शिकायत प्राप्त हुई है। ICU अति संवेदनशील और विशेष देखरेख वाला विभाग है, जहां जीवन रक्षक मशीनें एवं अन्य चिकित्सा प्रणालियां पूरी तरह विद्युत पर निर्भर रहती हैं। ऐसे में बिजली बंद रहना सीधे मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। गौरतलब है कि 11 सितंबर को दोपहर और शाम दो बार

अचानक अस्पताल की बिजली गुल हो गई थी। इससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और अस्पताल की आपात व्यवस्था भी पूरी तरह चौपट हो गई थी, जिसे लेकर परिजनों में भारी आक्रोश देखा गया। विधायक ने पत्र में कहा कि यह घटना संबंधित व्यवस्था और दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही को दर्शाती है। ICU प्रभारी की लापरवाही और कार्य के प्रति उदासीनता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। उन्होंने प्रबंधन से मांग की है कि इस घटना को गंभीरता से संज्ञान में लेकर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्वाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

तीजा-पोरा पर लोकल ट्रेनें रद्द करने का फैसला वापस ले रेलवे - जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी

रायपुर। तीजा-पोरा पर्व पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 13-14 सितंबर को कोरबा-रायपुर-दुर्ग के बीच करीब 10 लोकल ट्रेनों को रद्द करने के फैसले का जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने कड़ा विरोध किया है। संगठनों ने बिलासपुर महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर ट्रेनों का परिचालन पूर्ववत करने की मांग की है। उनका कहना है कि तीजा-पोरा पर बड़ी संख्या में महिलाएं ससुराल से मायके आती-जाती हैं और लोकल ट्रेनें उनके लिए सस्ता और सुरक्षित साधन हैं। त्योहार पर ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्रियों, खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और ग्रामीणों को परेशानी होगी और सड़क पर दबाव बढ़ेगा। संगठनों ने कहा कि देश में अन्य राज्यों के पर्वों पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाती हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के बड़े पर्व पर नियमित ट्रेनें ही रद्द करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दो दिनों के प्रवास में रहे शिक्षा मंत्री, इधर जिले भर के 599 स्कूलों का विद्युत मंडल ने किया बिजली गूल

शिक्षा विभाग का 41 लाख बकाया, एक साथ सैकड़ो स्कूलों का कटा बिजली सप्लाई

नई दृष्टिबिंदु / मोहला मानपुर

मोहला -शिक्षा विभाग की जमीनी हकीकत की पड़ताल को लेकर राजधानी से मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी वनांचल क्षेत्र में दो दिवसी प्रवास में रहे शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का इस जिले में विभागीय समीक्षा से लेकर तमाम प्रशासनिक गतिविधियां रही इधर जिले के 599 प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी का बिजली बिल के बकाया राशि के लिए विद्युत मंडल ने बिजली काट दिया है । विद्युत मंडल के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा विभाग के इन तमाम स्कूलों का भुगतान उन्हें नहीं हुआ है लगभग 41 लाख रूपए के बिजली बिल के भुगतान के लिए लाइन काट दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा अधिकारी मंत्री गजेंद्र यादव अपने दो दिवसीय प्रवास पर मंगलवार से मोहला मानपुर अंबागढ़चौकी जिले के दौरे पर रहे इस दौरान उन्होंने विभाग की समीक्षा बैठक से लेकर तमाम

प्रशासनिक कार्यक्रम में शिरकत किये। इधर जिले भर के प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, तथा हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों का एक के बाद एक विद्युत विभाग ने बकाया बिजली बिल के भुगतान के लिए तमाम संस्थाओं का कलेक्शन काट दिया है। एक के बाद एक जिले भर के सैकड़ो स्कूलों का बिजली सप्लाई कट होने से स्कूलों के कामकाज अध्यापन पर बेहद असर पड़ रहा है। शिक्षा विभाग से 41 लाख लेना है विद्युत मंडल को- अंबागढ़ चौकी मोहला मानपुर मे पदस्थ मोहला के सहायक अभियंता एसके मिलिंद, अंबागढ़ चौकी के सहायक अभियंता बी कुर्रे ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले से 599 से भी अधिक सरकारी शिक्षण संस्थानों का 41 लाख रुपए बिजली बिल महिनो से बकाया है जिसके कारण स्मार्ट मीटर के थ्रू बिजली काट दी जा रही है इस करवाई की सूचना विभाग प्रमुख को दे दी गई है। आवंटन के बाद भी बकाया-जानकारी के मुताबिक सरकारी स्कूलों के संचालन भवन के रंगरोगन ,फर्नीचर आदि व्यवस्थाओं के लिए सरकार की तरफ से हरवर्ष भारी भरकम फंड उपलब्ध कि जाती है परंतु स्कूलों का बिजली बिल भी विभाग और शैक्षणिक संस्था समय मे नहीं पटा पा रहा है जो जांच का विषय है। एक साथ सैकड़ो स्कूलों का कटा बिजली-मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में आंकड़ों के मुताबिक 909 प्राथमिक शाला, मिडिल स्कूल ,हाई स्कूल ,हायर सेकेंडरी स्थापित है। एक साथ सैकड़ो स्कूलों के बिजली सप्लाई कट होने की जानकारी विभाग के पास नहीं है जिला शिक्षा अधिकारी योग दास साहू ने हरिभूमि को बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है आवंटन होने की स्थिति में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से बिजली बिल का भुगतान किया जाएगा।

दुर्ग रीजन के रजनीश ओबेरॉय के दम पर छत्तीसगढ़ ने जीता अखिल भारतीय विद्युत टेबल टेनिस का खिताब

रजनीश ओबेरॉय ने दुर्ग रीजन के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट से सौजन्य मुलाकात की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

अखिल भारतीय विद्युत मंडलीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में दुर्ग रीजन के खिलाड़ी रजनीश ओबेरॉय के उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ ने टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। रजनीश ने एकल में कांस्य, युगल और टीम इवेंट में गोल्ड सहित तीन पदक जीतकर पावर कंपनी का मान बढ़ाया।

रायपुर में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की नौ टीमों ने हिस्सा लिया। कुल 99 मुकाबले खेले गए, जिसमें सिंगल्स के 45, डबल्स के 34 और टीम इवेंट के 20 मैच शामिल थे।

युगल मुकाबले में छत्तीसगढ़ के रजनीश ओबेरॉय और अनुराग शर्मा की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। एकल में कोलकाता के गौतम सिन्हा विजेता और असम के अनुपम तामुली उपविजेता रहे, जबकि रजनीश तीसरे स्थान पर रहे। टीम चैंपियनशिप में असम दूसरे और तमिलनाडु तीसरे स्थान पर रहा। समापन पर पावर कंपनी के प्रबंध निदेशकों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और वरिष्ठ खिलाड़ी प्रशांत बापट को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। प्रतियोगिता के बाद रजनीश ओबेरॉय ने दुर्ग रीजन के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट से सौजन्य मुलाकात की। सेलट ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस मनोज, अधीक्षण अभियंता आरके श्रीवास्तव, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी दीपक कुमार डुम्भरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

ग्राम करंजा भिलाई के बाजार चौक के पास युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को न्यायालय ने 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने आरोपी अमित दास मानिकपुरी (19) और मोहन धीमर उर्फ मोन्टू (24) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 सहपठित धारा 3(5) के तहत दोषसिद्ध किया। दोनों पर 1-1 हजार रुपए का अथर्दंड भी लगाया गया है। अथर्दंड नहीं देने पर 6-6 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

घटना 30 जून 2025 की रात करीब 11 बजे करंजा भिलाई बाजार चौक के पास हुई थी। विवाद के दौरान आरोपियों ने आशीष ठाकुर से गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से उसकी पीठ और कमर पर हमला किया था। गंभीर रूप से घायल आशीष की शिकायत पर पुलगांव पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ गवाहों के बयान, चिकित्सकीय दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में चालान पेश किया। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक भावेश कटारे ने पैरवी की। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। धारा 296 के तहत भी दोनों को एक-एक माह का साधारण कारावास और 500-500 रुपए अथर्दंड से दंडित किया गया है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

खास खबर

दुर्ग के सभी 60 वार्डों में पहुंचा साइबर जागृति अभियान, 6 हजार नागरिक हुए जागरूक

OTP-पिन से लेकर डिजिटल अरेस्ट तक ठगी के नए तरीकों की दी जानकारी, पार्षदों को भी अभियान से जोड़ा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच दुर्ग पुलिस ने शहर के सभी 60 वार्डों तक साइबर जागरूकता का संदेश पहुंचाया। छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर करीब 6 हजार नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचने के उपायों की जानकारी दी गई। 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चल रहे अभियान के तहत दुर्ग शहर में पुलिस ने वार्ड पार्षदों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को सीधे कार्यक्रमों से जोड़ा। थाना स्तर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में नागरिकों को बताया गया कि साइबर ठग किस तरह अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं और थोड़ी सी सावधानी बरतकर इनसे कैसे बचा जा सकता है।

चार थाना क्षेत्रों ने संभाली जिम्मेदारी

नगर निगम के 60 वार्डों में आयोजित कार्यक्रमों में थाना कोतवाली दुर्ग ने 23, मोहन नगर ने 17, पद्मनाभपुर ने 17 और पुलगांव ने 3 वार्डों में जागरूकता कार्यक्रम किए। इस तरह शहर के सभी वार्डों को अभियान के दायरे में शामिल किया गया।

OTP और PIN किसी को नहीं देने की सलाह

पुलिस टीमों ने नागरिकों को स्पष्ट रूप से समझाया कि बैंक, एटीएम, यूपीआई या किसी अन्य डिजिटल लेन-देन से संबंधित डळढ, ढक्ठ, पासवर्ड अथवा गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। इसके अलावा अनजान लिंक पर क्लिक करने और संदिग्ध अढङ फाइल डाउनलोड करने से भी बचने की सलाह दी गई। कार्यक्रमों में लॉटरी और इनाम, फर्जी निवेश, नौकरी के नाम पर ठगी तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि साइबर ठग लगातार ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर पर तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए।

ठगी हो जाए तो 1930 पर करें फोन

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें। पुलिस के अनुसार घटना की जानकारी जितनी जल्दी मिलेगी, ठगी की रकम को रोकने की संभावना उतनी ही बढ़ेगी। पुलिस ने नागरिकों से स्वयं जागरूक रहने के साथ परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने की अपील की है। वार्ड स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में पुलिस और नागरिकों की प्रत्यक्ष सहभागिता से साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

गैंग हिस्ट्रीशीटरों पर दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 का बाउंड व एमसीयू कराया

2100 से अधिक आदतन बदमाशों का एमसीयू, पुराने रिकॉर्ड से लेकर मौजूदा गतिविधियों तक की हो रही निगरानी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जिले में अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने और आदतन बदमाशों पर शिकंजा कसने दुर्ग पुलिस ने गैंग हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सक्रिय एवं स्थाई गैंग हिस्ट्रीशीटरों की पहचान कर उनकी गतिविधियों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में करीब 50 गैंग हिस्ट्रीशीटरों का बाउंड ओवर एवं एमसीयू कराया गया है। पुलिस ने इनके आपराधिक रिकॉर्ड, वर्तमान गतिविधियों और अन्य संबंधित जानकारियों का सत्यापन कर अभिलेखों को भी अद्यतन किया है।

पुलिस के अनुसार जिले में अपराध नियंत्रण के लिए आदतन बदमाशों और गैंग हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। अब तक जिले में 2100 से अधिक आदतन बदमाशों एवं गैंग हिस्ट्रीशीटरों का एमसीयू कराया जा चुका है। पुलिस का मानना है कि बदमाशों के रिकॉर्ड को नियमित रूप से अपडेट रखने से उनकी वर्तमान गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी और अपराध की पुनरावृत्ति की संभावना को समय रहते नियंत्रित किया जा सकेगा।

रात से चला अभियान

12 सितंबर की रात से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने गैंग हिस्ट्रीशीटरों एवं आदतन बदमाशों की जानकारी जुटाने के साथ उनके पुराने आपराधिक मामलों और वर्तमान गतिविधियों का सत्यापन किया। करीब 50 लोगों के खिलाफ बाउंड ओवर की कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधित व्यक्तियों के रिकॉर्ड और पुलिस अभिलेखों को भी अपडेट किया गया।

हिस्ट्रीशीट और गतिविधियों पर नजर

पुलिस द्वारा प्रत्येक गैंग हिस्ट्रीशीटर की हिस्ट्रीशीट एवं संबंधित रिकॉर्ड को अद्यतन किया जा रहा है। इसके तहत पूर्व में दर्ज अपराधों के साथ वर्तमान गतिविधियों और संबंधित व्यक्तियों की जानकारी भी संकलित की जा रही है। पुलिस ऐसे लोगों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रख रही है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी समय पर मिल सके।

थाना स्तर पर भी निगरानी

अभियान में संबंधित थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और कमर्चारियों की टीमों ने कारर्वाई की। पुलिस ने गैंग हिस्ट्रीशीटरों की पहचान, चेकिंग, रिकॉर्ड सत्यापन, एमसीयू और बाउंड ओवर की कार्रवाई को समन्वित रूप से पूरा किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। दुर्ग पुलिस का मुख्य उद्देश्य ऐसे बदमाशों द्वारा दोबारा अपराध किए जाने की संभावना को कम करना है, जिनका पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस द्वारा बाउंड ओवर की कार्रवाई के साथ उनकी गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। किसी भी प्रकार की संदिग्ध अथवा आपराधिक गतिविधि सामने आने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि उनके आसपास किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि अथवा किसी आपराधिक गतिविधि की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक पुलिस का सहयोग करें।

सर्किट हाउस के पीछे गांजा बेचने ग्राहक तलाश रहे थे दो आरोपी 6.194 किलो गांजा जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सर्किट हाउस के पीछे गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे दो आरोपियों को मोहन नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6.194 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए है, बरामद कर जब्त किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 11 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सर्किट हाउस के पीछे दो व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना मिलते ही मोहन नगर पुलिस की विशेष टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास रखे सफेद रंग के बोरे से गांजा बरामद हुआ। वजन कराने पर गांजे की कुल मात्रा 6.194 किलोग्राम निकली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जी. बापजी (35), निवासी कैंप-01 सुंदर नगर और इम्तियाज उर्फ राजू (37), निवासी कैंप-01 सुंदर नगर, थाना छावनी क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद गांजे को विधिवत जब्त करते हुए थाना मोहन नगर में अपराध क्रमांक 649/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

स्वयंसिद्धा की निदेशक ने सलेम इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक से की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ की अग्रणी संस्था स्वयंसिद्धा की निदेशक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने सलेम इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक रवि कुमार बिसारे से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपनी संस्था की पत्रिका 'प्रत्यावर्तन' भेंट की और चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते समय में स्टेनलेस स्टील के बतर्नों की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जिससे मनुष्य स्वस्थ जीवन यापन करते हुए प्लास्टिक से दूरी बना सके। जहां स्टील की बात आती है, वहां सलेम स्टेनलेस स्टील सर्वोपरि है।

दहेज में कार नहीं मिली तो पत्नी को प्रताड़ित करने का आरोप, पति गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

ग्राम उमरपोटी में नवविवाहिता की फांसी लगाकर आत्महत्या के मामले में मर्ग जांच के बाद उतई पुलिस ने उसके पति के खिलाफ दहेज मृत्यु का अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पति दहेज में कार नहीं मिलने की बात को लेकर पत्नी से विवाद करता था और उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था।

पुलिस के अनुसार 15 अगस्त 2026 को ग्राम उमरपोटी में नवविवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। मामले में पुलिस ने मर्ग क्रमांक 75/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतिका के परिजनों और संबंधित लोगों के बयान लिए गए तथा उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। जांच में सामने आया कि मृतिका का विवाह करीब एक वर्ष पूर्व विपुल यादव (25), निवासी फेस-01 वेदांत नगर, ग्राम उमरपोटी से हुआ था। 22 अप्रैल 2026 को गौना होने के बाद वह ससुराल आई थी। आरोप है कि पति द्वारा उसके माता-पिता से दहेज में कार नहीं मिलने की बात को लेकर बार-बार विवाद किया जाता था तथा उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। पुलिस के मुताबिक घटना से एक दिन पहले भी कार को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पति के घर से चले जाने की बात जांच में सामने आई। मर्ग जांच में मिले कथनों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति विपुल यादव के खिलाफ अपराध क्रमांक 457/2026, धारा 80(2) बीएनएस के तहत दहेज मृत्यु का मामला दर्ज किया। आरोपी को 12 सितंबर को गिरफ्तार कर प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में छत्तीसगढ़ के एमएसएमई की आवाज बने जितेंद्र प्रसाद

रूस, ब्राजील, इथियोपिया, चीन और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग, औद्योगिक सहयोग और निर्यात संभावनाओं पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उद्योग चेम्बर भिलाई के अध्यक्ष एवं उद्योगपति जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण सहभागिता की। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने रूस, ब्राजील, इथियोपिया, चीन और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग कर औद्योगिक एवं व्यापारिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

फोरम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित विभिन्न ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि, उद्योगपति और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान स्टार्टअप, एमएसएमई, नवाचार, निवेश, तकनीकी सहयोग, आयात-निर्यात और वैश्विक बाजार में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

छत्तीसगढ़ के उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर

वन-टू-वन बैठकों के दौरान गुप्ता ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के एमएसएमई एवं औद्योगिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की

संभावनाएं विदेशी प्रतिनिधियों के सामने रखीं। उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी दक्षता और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संभावनाओं की जानकारी देते हुए विदेशी उद्योगों को छत्तीसगढ़ के उद्यमियों के साथ व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच सीधे व्यावसायिक संपर्क बढ़ने से प्रदेश के उद्योगों को नए बाजार, तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसर मिल सकते हैं। विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी विकसित करने की दिशा में ऐसे मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

निर्यात और निवेश के नए अवसरों पर चर्चा

बैठकों में एमएसएमई उत्पादों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार तलाशने, आयात-निर्यात बढ़ाने, तकनीकी सहयोग स्थापित करने और भविष्य में आपसी व्यावसायिक साझेदारी विकसित करने पर चर्चा हुई। गुप्ता ने कहा कि एमएसएमई देश की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण आधार है। इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

गुप्ता ने कहा कि ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद छत्तीसगढ़ के उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। उनका प्रयास रहेगा कि फोरम के दौरान बने अंतरराष्ट्रीय संपर्कों को आगे बढ़ाकर प्रदेश के उद्यमियों को निर्यात, तकनीकी सहयोग, निवेश और वैश्विक बाजार से जोड़ा जाए।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में गुप्ता की सक्रिय भागीदारी और पांच देशों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वन-टू-वन बैठकों को छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया है। इससे प्रदेश के एमएसएमई और उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और व्यावसायिक अवसर मिलने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

रायपुर पुलिस का साइबर संकल्प लॉन्च

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुरक्षित डिजिटल भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने 'साइबर संकल्प' - डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता वीडियो कोर्स शुरू किया है। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला की अभिनव पहल से तैयार इस कोर्स का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने पं. रविशंकर सागर विश्वविद्यालय के सभागृह में किया। इस अवसर पर एडीजी गुप्तवार्ता अमित कुमार, पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला, आईजी प्रशांत अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले, कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल, रजिस्ट्रार डॉ. शैलेन्द्र पटेल सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विशेष रूप से मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नए यूजर्स को ध्यान में रखकर सरल भाषा में तैयार किया गया है। इसमें कुल 9 मॉड्यूल हैं - पासवर्ड सुरक्षा, मोबाइल सुरक्षा, ऑनलाइन भुगतान में सावधानी, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, मोबाइल-सिस्टम अपडेट, सुरक्षित ऐप का उपयोग, प्राइवेसी सुरक्षा, सोशल मीडिया की समझ और सुरक्षित ब्राउजिंग।

प्रत्येक वीडियो के बाद छोटे सवालों से अपनी समझ परखने की सुविधा भी है। कोर्स को लिंक और क्यूआर कोड के जरिए आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। पुलिस ने अपील की है कि हर मोबाइल यूजर यह कोर्स पूरा करे और परिवार-मित्रों को भी जागरूक करे। तकनीक के साथ सतकर्ता ही सबसे बड़ी ढाल है - अनजान लिंक, संदिग्ध ऐप, ओटीपी/पासवर्ड शेयर करने और अनजान के कहने पर ऑनलाइन भुगतान से बचें।

तीजा-पोरा तिहार की खुशियों में शामिल हुई महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में आयोजित तीजा-पोरा तिहार कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने पारंपरिक झूले का आनंद लिया, मेंहदी लगवाई और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के साथ उन्होंने तीजा-पोरा की पारंपरिक संस्कृति को ताजा किया।

डॉ. साहू ने कहा कि यह पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपरा, नारी शक्ति और पारिवारिक भावनाओं का सुंदर प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

खास खबर

डिलीवरी बॉयज पर समय का दबाव न बनाएं, रायपुर ट्रैफिक पुलिस ने कंपनियों को दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों के मैनेजरों की बैठक लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस उपायुक्त डॉ. अचर्ना झा की अध्यक्षता में हुई बैठक में फ्लिपकार्ट, ब्लू डार्ट, डिलीवरी डॉट कॉम, ब्लिंकिट समेत अन्य कंपनियों के मैनेजर शामिल हुए। एडीसीपी राम कुमार बर्मन, एसीपी सतीश ठाकुर और रमेश येरेवार भी मौजूद रहे।

डिलीवरी कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना जरूरी होगा, समय-समय पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश

बैठक के प्रमुख निर्देश

** यातायात नियमों का पालनः * डिलीवरी के दौरान हेलमेट अनिवार्य, रॉन्ग साइड में न चलना, ओवरस्पीडिंग और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाना।*

** चरित्र सत्यापन अनिवार्यः *नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी डिलीवरी कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना जरूरी होगा।*

** डेडलाइन का दबाव खत्मः * कंपनियों को समझाइश दी गई कि 10-15 मिनट डिलीवरी जैसे समय-बंधन से बॉयज तेज गति और हड़बड़ी में वाहन चलाते हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ता है।*

** अनुशासनात्मक कारवाईः नियम तोड़ने वाले कर्मियों पर कंपनी स्तर पर भी कारर्वाई करने और समय-समय पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश।*

यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि डिलीवरी लेते समय जल्दबाजी न करें और सुरक्षित आवागमन में सहयोग करें।

वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत में दुर्ग में 4.10 लाख से अधिक मामलों का समाधान

बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं, विद्युत तथा दूरसंचार से जुड़े बड़ी संख्या में प्री-लिटिगेशन विवाद भी शामिल रहे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

किसी के लिए यह वर्षों से चला आ रहा पारिवारिक विवाद था। किसी के लिए पुरानी रंजिश। किसी के लिए चोरी हुई मोटरसाइकिल का मामला और किसी के लिए बैंक, बिजली या टेलीकॉम का बकाया। लेकिन 12 सितम्बर 2026 को दुर्ग में इन कहानियों का अंत एक ही जगह हुआ संवाद, समझौते और आपसी सहमति के साथ। यही है लोक अदालत की असली ताकत।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशों, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के निर्देशन में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन दुर्ग जिले के विभिन्न न्यायालयों एवं न्यायिक संस्थानों में किया गया। इस लोक अदालत में 4.10 लाख से अधिक न्यायालयीन एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा लगभग ?685.90 करोड़ की समझौता राशि पर सहमति बनी। इस नेशनल लोक अदालत में कुल 37 खण्डपीठों का गठन किया गया। परिवार न्यायालय दुर्ग, जिला न्यायालय दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3, पाटन एवं धमधा, किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), राजस्व न्यायालय तथा उपभोक्ता फोरम सहित विभिन्न संस्थानों में मामलों की सुनवाई हुई। 13,851 न्यायालयीन प्रकरण तथा 3,96,869 प्री-लिटिगेशन इस प्रकार कुल 4,10,720 प्रकरण निराकृत किए गए। इनमें बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं, विद्युत तथा दूरसंचार से जुड़े बड़ी संख्या में प्री-लिटिगेशन विवाद भी शामिल रहे।

एक फैसलाङ्क जिसने एक परिवार को फिर से जोड़ दिया

परिवार न्यायालय, दुर्ग में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहे थे। मामला नेशनल लोक अदालत में पहुंचा। न्यायालय ने दोनों पक्षों को केवल उनके कानूनी अधिकारों के संदर्भ में नहीं, बल्कि उनके भविष्य, सम्मान, विश्वास और पारिवारिक जीवन के संदर्भ में भी सोचने के लिए प्रेरित किया। दोनों ने पुराने मतभेद पीछे छोड़ने, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और विश्वास के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। और फिर अदालत में ही दोनों ने एक-दूसरे को माला पहनाई। एक मुकदमा खत्म हुआ। लेकिन उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण - एक परिवार फिर से शुरू हुआ। दोनों पक्ष खुशी-खुशी अपने घर लौट गए।

पुरानी पारिवारिक रंजिश को मिली नई शुरुआत

एक अन्य प्रकरण में एक ही परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से चली आ रही कटुता ने आपराधिक मुकदमे का रूप ले लिया था। वर्षों से लंबित इस विवाद ने परिवार के रिश्तों में तनाव और दूरी पैदा कर दी थी। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय ने पक्षकारों की भावनाओं और पारिवारिक संबंधों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संवाद का वातावरण तैयार किया। नतीजा - पुरानी रंजिश खत्म हुई और आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान हो गया।

इस प्रकरण में पांच संबंधित पक्षकार थे। सभी की व्यक्तिगत उपस्थिति संभव न होने पर तकनीक को समाधान की राह में बाधा नहीं बनने दिया गया। कुछ पक्षकारों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भागीदारी की और समझौते की प्रक्रिया पूरी की।

एक मोटरसाइकिल, एक गलती और एक माफी

एक अन्य मामले में रात के समय घर लौट रहे एक व्यक्ति का ईयरफोन रास्ते में गिर गया। उसे उठाने के लिए जब वह रुका और वापस आया तो उसकी मोटरसाइकिल वहां नहीं थी। मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई और मामला न्यायालय तक पहुंचा। बाद में मोटरसाइकिल बरामद होकर प्रार्थी को सुपुर्द कर दी गई। नेशनल लोक अदालत में प्रकरण रखा गया। प्रार्थी ने आपसी राजीनामे की इच्छा व्यक्त की। न्यायालय की समझाइश के बाद आरोपियों ने भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की बात कहते हुए प्रार्थी से माफी मांगी। प्रार्थी ने भी सहमति व्यक्त की। और एक बार फिर - मुकदमे की जगह संवाद ने रास्ता बनाया। मामला आपसी राजीनामे के आधार पर सौहादर्पूर्ण वातावरण में समाप्त हो गया।

इस नेशनल लोक अदालत की खासियत केवल मामलों का निराकरण नहीं रही। न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों और आम नागरिकों के लिए जिला चिकित्सालय, दुर्ग के सहयोग से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. निवेदिता गाडिर्या एवं स्वास्थ्य विभाग के कमर्चारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक सेवाएं प्रदान की। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पक्षकारों तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया।

जेल से निकली हुनर की कहानी भी पहुंची लोक अदालत तक

केंद्रीय जेल, दुर्ग में निरुद्ध बंदियों द्वारा निर्मित जेल उत्पादों की प्रदशर्नी एवं बिक्री भी नेशनल लोक अदालत के अवसर पर लगाई गई। उपस्थित लोगों ने इन उत्पादों की सराहना की। यह पहल इस संदेश को भी सामने लाती है कि न्याय व्यवस्था केवल दंड तक सीमित नहीं है - सुधार, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में वापसी भी न्याय का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सवाल यह भी होता है कि - ह्लक्या ऐसा रास्ता निकाला जा सकता है जिसमें दोनों पक्ष आगे बढ़ सकें ?ह्व लोक अदालत इसी सोच को आगे बढ़ाती है। यह वर्षों के विवाद को घंटों में, कभी-कभी घंटों के विवाद को मिनटों में, और एक मुकदमे को एक नए रिश्ते में बदल सकती है।

सेल में कमर्चारियों के 45 मुद्दे लंबित, 5 से अधिक कोर्ट में, बीएकेएस ने उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

डीपीई सचिव, श्रम सचिव, मुख्य श्रमायुक्त और सेल चेयरमैन व निदेशक कार्मिक को पत्र लिखकर निराकरण की मांग की

सेल कमर्चारियों के मुद्दे या तो कोर्ट में अटके हैं या प्रबंधन के पास लंबित पड़े हैं। बीएसपी अनाधिशासी कमर्चारी संघ (बीएकेएस) ने आरोप लगाया है कि मानव संसाधन विभाग की कायर्शैली के चलते 45 से अधिक बड़े मुद्दे सेल कॉर्पोरेट स्तर पर वर्षों से लंबित हैं, जबकि 5 से अधिक मुद्दे कोर्ट में चले गए हैं।

यूनियन ने लंबित मुद्दों की सूची जारी करते हुए प्रधानमंत्री, इस्पात मंत्री, इस्पात राज्य मंत्री, इस्पात सचिव, डीपीई सचिव, श्रम सचिव, मुख्य श्रमायुक्त और सेल चेयरमैन व निदेशक कार्मिक को पत्र लिखकर निराकरण की मांग की है।

बीएकेएस के अनुसार वेज रिवीजन 2017 में धांधली, बोनस फॉर्मूला, एनजेसीएस में सुधार और भिलाई इस्पात संयंत्र में यूनियन चुनाव जैसे मुद्दे न्यायालय में हैं। वहीं कॉर्पोरेट स्तर पर नए श्रम कानून 2026 लागू करना, 2007 इंसेंटिव फॉर्मूले में संशोधन, स्टैगनेशन इंक्रीमेंट, हाउस परक्युसिट पर आयकर छूट, फेस्टिवल एडवांस में वृद्धि, आवास ऋण, वाहन ऋण, लैपटॉप एडवांस, शिक्षा भत्ता, लीव बैंक, अवैध स्थानांतरण, वेज रिवीजन 2027 के लिए ए0 ग्रेड पे स्केल में वृद्धि, सुरक्षा, अनुग्रह राशि, ड्रेस भत्ता, लॉन्ग सर्विस अवॉर्ड, पीएफ ट्रस्ट, मेडिकल कार्ड, 30% रिटायरमेंट लाभ, एनपीएस में 9% अंशदान, पेंशन भुगतान समेत 45 मुद्दे लंबित हैं। सेल प्रबंधन द्वारा रिकॉर्ड स्तर पर मुद्दों को अटका कर मुद्दों का संविधान बना दिया गया है। कमर्चारियों के मुद्दे अटकाने में सेल प्रबंधन विश्व में सभी कंपनियों में नंबर 1 बन गई है।

मनीष पांडेय को जन्मदिन पर दी बधाई

नई द्दष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई। श्री राम जन्मोत्सव समिति युवा शाखा के जिला अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के जन्मदिन पर सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू और समिति के पदाधिकारियों ने उनसे आत्मीय मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके स्वस्थ, सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

जिंदगी में एक कल्याण मित्र अवश्य बनाना जैसे अर्जुन ने कृष्ण को बनाया-श्री अक्षयमुनिजी मसा

तुलसीदास ने कहा तुलसी संसार में पंच रतन है सार ,संत समागम, हरि कथा, दया,दान, उपकार

श्रीमती कुसुम नाहटा 30 उपवास तपस्या से मात्र दो कदम दूर, बालोद चातुर्मास में हो जाएंगे 8 मासक्षमण पूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

प्रभु महावीर ने प्राणी मात्र की रक्षा के लिए उपदेश दिया सभी जीवो की रक्षा, दया के लिए उपदेश दिया। भगवान के दिल में करुणा प्रकट हुई, व्यक्ति में भी पहले बाहर की करुणा आनी होगी फिर अंदर का करुणा उठेगा । आज व्यक्ति मोह में अंधे हो जाते हैं । तुलसीदास ने कहा तुलसी संसार में पंच रतन है सार, संत समागम ,हरि कथा, दया, दान , उपकार। जीवन के अंदर में समाधि , करूणा ,शांति पाई तो वह अंदर की बात बतायेगा। ज्ञानी का लिंक परमात्मा से जुड़ता है फिर बांटता है ,यह अनंत संसार है। होम्योपैथी पद्धति में बीमार का इलाज करते हैं ना की बीमारी का। संसार की बीमारी मोह है मोह के कारण आसक्ती है। धन की शोभा तभी अच्छी लगती है जब वह दान के रुप में दी जाती है। महापुरुषों की पहचान विनम्र होना होता है। डिजिटल जमाना है जिंदगी जियो लेकिन अपना दिमाग मत लगाओ नहीं तो कुदरत समय पर सब बराबर कर देगा। दिमाग का खेल मत खेलो ।धर्म सभा में चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला में शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी मसा ने कहा।

जैन संत श्री अक्षय मुनि की मसा ने आगे कहा कि ज्ञानी व्यक्ति तीन बातों पर विशेष ध्यान रखते हैं रहस्य को अप्रकट रखना, कष्ट को भूल जाना, तथा अवकाश में समय का सदुपयोग करना जानता है।

इसी तरह इंसान के भी लक्षण है मूर्ख व्यक्ति न क्षमा करते हैं ना भूलता है, ज्ञानी व्यक्ति क्षमा भी करता है भूल भी जाता है, बुद्धिमान व्यक्ति क्षमा करता है पर भूलता नहीं है। धोखा देने वाले याद रखना कुदरत समय पर सब बराबर कर देती है। जिंदगी से ना लड़ो ,ना भागो ,सिर्फ जागो।

जैन मुनि ने आगे कहा कि समय के साथ संवर, पौषध ,तपस्या धर्म आराधना करें।इंसान बने तो इंसानियत जैसा काम करें, साथ ही दूसरे का भी भला करें। माता-पिता की सेवा करें यदि ऐसा व्यक्ति करेगा तभी उनके बच्चे भी सेवा करेंगे। संस्कृति को संभालो अपना कर्तव्य निभाना होगा। जैन समाज को खड़ा करने वाले साधु संत अनंत काल से है आज भी है, कल भी रहेंगे। संस्कार समाज को उन्नति की राह पर ले जाते हैं।विवेक को जगाए रखना,हर व्यक्ति एक कल्याण मित्र अवश्य बनाएं। जैसे अर्जुन ने कृष्ण को कल्याण मित्र बनाया। माता-पिता की छांव में बैठे रहो तभी जीवन अच्छा चलेगा। महावीर का जन्म जब हुआ तब कलयुग की छाया आनी प्रारंभ हो गई थी। संसार की बात को भूल जाओ लेकिन महावीर की बात को हमेशा याद रखना। नारी अपनी रक्षा करें, शालीनता के साथ निकले । अपना धर्म को बचाएं रखना हर व्यक्ति के हाथ में है। हमारा पुण्य हीं हमारी रक्षा करेगा , लड़ो नहीं, भागो नहीं, सिर्फ जागो ।

तपस्या की आई बहार- तपस्या संघर्ष से गुजरना है, तपस्या की कड़ी में श्रीमति कुसुम नाहटा मासक्षमण से सिर्फ दो कदम दूर , आज उन्होंने 28 उपवास तपस्या का संकल्प जैन मुनि से ग्रहण किया।

तपस्या की कड़ी में सोनम श्रीश्रीमाल ने 13, रितु बाफना, लोमिनी नाहटा ने 12, कु. गुंजन सकलेचा ने 9, कु. खुशी नाहटा, हरिश सांखला ने 8, निर्मल नाहटा ने 7, अरुण राय सोनी, वर्षा चौरडिया, संजना चौरडिया ने 6, सरिता बाफना, नेहा ललवानी, ट्विंकल नाहर,चंदाबाई चिप्पड़ , महेंद्र नाहर, दिव्यांश नाहटा, प्रमोद नाहटा, संभव बाफना , दिनेश श्रीश्रीमाल, हितीक्षा चोपड़ा, हिताक्षी राणपरिया ने 5 तथा गिरीश कंवाड ने 4 उपवास तपस्या का प्रत्याखान संकल्प जैन मुनि से ग्रहण किया।

संपादकीय

गणेशोत्सव : आस्था के साथ पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी का पर्व

गणेश चतुर्थी भारतीय संस्कृति और परंपरा का ऐसा पर्व है, जिसमें श्रद्धा, भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, बुद्धि, विवेक और शुभता का देवता माना जाता है। यही कारण है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणपति की पूजा करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व भी है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। श्रद्धालु कई दिनों तक पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। सार्वजनिक गणेशोत्सव लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का माध्यम बनता है। मोहल्लों और शहरों में सामूहिक भागीदारी से सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है हालांकि बदलते समय में गणेशोत्सव के स्वरूप में भी बदलाव आया है। भव्य पंडाल, आकर्षक सजावट और बड़ी प्रतिमाएं उत्सव का हिस्सा बन गई हैं, लेकिन इसके साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी जुड़ी है। प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं और रासायनिक रंग जलस्रोतों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए मिट्टी से बनी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंडों का उपयोग भी जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

गणेशोत्सव में ध्वनि प्रदूषण और यातायात व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति ऐसी हो, जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को परेशानी न हो। प्रशासन द्वारा निर्धारित समय और ध्वनि सीमा का पालन करना प्रत्येक आयोजक और नागरिक की जिम्मेदारी है। उत्सव की भव्यता का मूल्य इस बात से नहीं होना चाहिए कि लाउडस्पीकर कितना तेज बजा या पंडाल कितना बड़ा बनाया गया, बल्कि इससे होना चाहिए कि आयोजन समाज के लिए कितना उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। आज आवश्यकता इस बात की है कि गणेशोत्सव को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सेवा से जोड़ा जाए। यदि हर गणेश पंडाल एक सामाजिक संदेश लेकर आगे बढ़े, तो यह पर्व केवल पूजा तक सीमित न रहकर समाज परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। भगवान गणेश हमें बुद्धि और विवेक का आशीर्वाद देते हैं। इसलिए उनके पर्व पर हमें भी संकल्प लेना चाहिए कि अंधविश्वास और दिखावे के बजाय ज्ञान, सद्भाव, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को महत्व देंगे। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी है, जब गणपति की आराधना के साथ हम अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ और नकारात्मकता का भी विसर्जन करें। गणपति बप्पा मोरया का जयघोष तभी सार्थक होगा, जब उनके आगमन से हमारे घर ही नहीं, बल्कि हमारा समाज भी सुख, शांति, सद्भाव और सकारात्मक सोच से प्रकाशित हो।

केवल शुभकामनाओं से नहीं बचेगी हिंदी हमें हिंदी के लिए जागना होगा

कैलाश जैन बरमेचा

हिंदी दिवस पर विशेष

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदी दिवस आएगा। विद्यालयों में कार्यक्रम होंगे, साहित्यकारों के वक्तव्य होंगे, सोशल मीडिया पर हिंदी दिवस की शुभकामनाओं की बाढ़ आएगी और हम गर्व से कहेंगे–"हिंदी हमारी मातृभाषा है, हिंदी हमारी पहचान है।" लेकिन क्या केवल इतना करने से हिंदी सुरक्षित रह पाएगी? आज यह सवाल हमें स्वयं से पूछना होगा। हमारी पीढ़ी ने उस दौर को देखा है, जब अंग्रेजी की शिक्षा विद्यालयों में अपेक्षाकृत बाद में शुरू होती थी। प्राथमिक कक्षाओं में बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़ते, लिखते और सोचते हुए बड़े होते थे। हिंदी के शब्दों से उनका सहज परिचय था। हिंदी के अंकों, मुहावरों, कहावतों और साहित्य से उनका रिश्ता स्वाभाविक था। लेकिन आज परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। बच्चे बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ग्रहण करने लगे हैं। अंग्रेजी सीखना गलत नहीं है। आज के वैश्विक युग में अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक भी है। लेकिन चिंता तब पैदा होती है, जब अंग्रेजी सीखने की दौड़ में बच्चा अपनी ही भाषा से दूर होने लगे।

आज स्थिति यह है कि हमारी नई पीढ़ी के अनेक बच्चे हिंदी के सामान्य शब्दों, वतर्नी, अंकों और अभिव्यक्ति में भी सहज नहीं हैं। कई बच्चों के लिए हिंदी पढ़ना और लिखना कठिन होता जा रहा है। यदि यही स्थिति आगे बढ़ती रही, तो आने वाली पीढ़ियां हिंदी को केवल किताबों में पढ़ेंगी, लेकिन उससे भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएंगी। और यहीं से हमारी चिंता शुरू होती है। भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं होती। भाषा हमारी संस्कृति, हमारी स्मृतियों, हमारी परंपराओं और हमारी भावनाओं की संवाहक होती है। हमारी हिंदी में कबीर हैं, तुलसीदास हैं, प्रेमचंद हैं, महादेवी वर्मा हैं, रामधारी सिंह दिनकर हैं, हरिवंश राय बच्चन हैं और अनगिनत साहित्यकार हैं, जिन्होंने हमारी सोच और समाज को दिशा दी। हमारी लोककथाएं, लोकगीत, कहावतें और पारिवारिक संस्कार भी भाषा के माध्यम से ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते हैं। यदि भाषा कमजोर होगी, तो धीरे-धीरे उससे जुड़ी हमारी सांस्कृतिक स्मृतियां भी कमजोर पड़ेंगी।

इसलिए सवाल यह नहीं है कि अंग्रेजी पढ़ें या हिंदी। सवाल यह है कि अंग्रेजी सीखते हुए क्या हम हिंदी को भूल तो नहीं रहे हैं? हमें अंग्रेजी का विरोध नहीं करना है। हमें तो अपनी आने वाली पीढ़ी को ऐसी शिक्षा देनी है कि वह अंग्रेजी भी अच्छी तरह जाने और हिंदी पर भी उतना ही गर्व करे।

केवल "हिंदी दिवस की शुभकामना देने से काम नहीं चलेगा। आज सोशल मीडिया पर हिंदी दिवस के दिन हजारों संदेश दिखाई देंगे–"हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।" लेकिन अगले दिन फिर वही हिंदी से दूरी शुरू हो जाएगी। इसलिए हमें सोचना होगा कि हिंदी दिवस केवल एक दिन मनाने का दिवस नहीं, बल्कि हिंदी के प्रति अपने दायित्व को याद करने का अवसर बने।

विद्यालयों में हिंदी दिवस के अवसर पर केवल भाषण और प्रतियोगिता तक कार्यक्रम सीमित न रहें। प्रत्येक विद्यालय में कम से कम आधे घंटे का ऐसा कार्यक्रम हो, जिसमें किसी प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, लेखक या हिंदी के जानकार व्यक्ति को बुलाकर बच्चों से सीधे संवाद कराया जाए। बच्चों को हिंदी साहित्य से परिचित कराया जाए, उन्हें कहानी और कविता सुनाई जाए, मुहावरे और कहावतें समझाई जाएं, हिंदी में वाद-विवाद और कहानी लेखन कराया जाए तथा स्थानीय साहित्यकारों से उनका परिचय कराया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को हिंदी से डराया नहीं, हिंदी से जोड़ा जाए। घर में माता-पिता भी बच्चों से अपनी भाषा में बातचीत करें। दादा-दादी और नाना-नानी की कहानियों को बच्चों तक पहुंचाया जाए। परिवार में हिंदी की किताबें पढ़ने की आदत विकसित की जाए। यदि हम ये छोटे-छोटे प्रयास आज से शुरू कर दें, तो शायद आने वाली पीढ़ी हिंदी को केवल एक विषय के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पहचान के रूप में देखेगी।

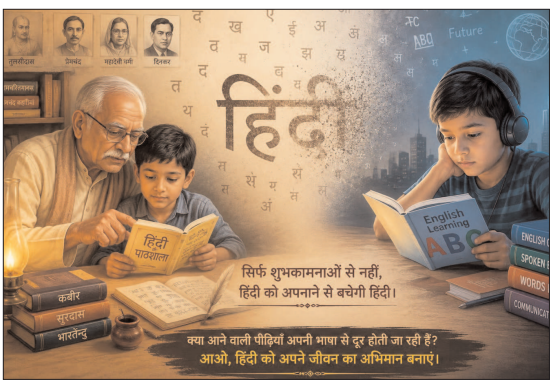

हिंदी बचाने के लिए अब केवल समारोह नहीं, अभियान चाहिए। "एक परिवार–एक हिंदी पुस्तक", "हर विद्यालय–हिंदी संवाद कार्यक्रम", "हर महीने–एक साहित्यकार से मुलाकात" और "बच्चों के लिए हिंदी कहानी और कविता दिवस" जैसे छोटे-छोटे अभियान शुरू किए जा सकते हैं। शहर की सामाजिक और साहित्यिक संस्थाएं मिलकर विद्यालयों में जा सकती हैं। प्रसिद्ध साहित्यकारों, कवियों और पत्रकारों को बच्चों से संवाद के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। क्योंकि जब बच्चा किसी किताब से अधिक किसी जीवंत व्यक्ति की कहानी सुनता है, तो भाषा उसके मन में उतरती है। हमें तय करना होगा कि हम इतिहास लिखेंगे या इतिहास बचाएंगे। आज यदि हमने हिंदी के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझी, तो आने वाले समय में कहीं ऐसा न हो कि हम हिंदी दिवस तो मनाते रहें, लेकिन हिंदी हमारे दैनिक जीवन से धीरे-धीरे दूर होती चली जाए। फिर शायद हमारी अगली पीढ़ी 14 सितंबर को केवल इतना जाने कि–"आज हिंदी दिवस है।" लेकिन वह यह महसूस न कर पाए कि–"हिंदी मेरी अपनी भाषा है।

इसलिए इस हिंदी दिवस पर हमें केवल शुभकामनाएं नहीं देनी चाहिए, बल्कि एक संकल्प लेना चाहिए–अंग्रेजी सीखेंगे, दुनिया से जुड़ेंगे, लेकिन अपनी हिंदी से रिश्ता कभी नहीं तोड़ेंगे। क्योंकि भाषा बचेगी तो संस्कृति बचेगी और संस्कृति बचेगी तो हमारी पहचान बचेगी। आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल संदेश न लिखें, हिंदी के लिए कुछ करें। क्योंकि केवल हिंदी दिवस मनाने से हिंदी नहीं बचेगी, हिंदी को अपने जीवन में उतारने से हिंदी बचेगी।

कविता का कोना

विघ्न विनाशक हो तुम

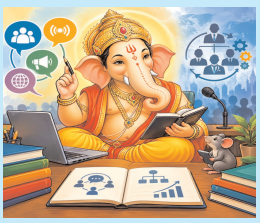

गजानंद तुमको कहते, मेरे गणपति गणेश,
नाम तुम्हारा लेने से, मिट जाते सब क्लेश।

विघ्न विनाशक हो तुम, विद्या के हो दाता,
तेरी बुद्धि से ही जग में, सुख-समृद्धि आता।

बिगड़े काम बनाते हो, सबकी कामना सिद्ध हो जाता,
धरती पर जब आते हो, हर ओर उजियारा छाता।

सबके दुख को मिटाने वाले, गजानंद कहलाता,
जो भी तेरा नाम है लेता, मनवांछित फल पाता।
गजानंद तुमको कहते, मेरे गणपति गणेश,
नाम तुम्हारा लेने से, मिट जाते सब क्लेश।

रिद्धि-सिद्धि के दाता तुम हो, मंगल करने वाले,
भक्तों की नैया पार लगाओ, बनकर खेवनहारे।

तेरे दर पर जो भी आता, खाली कभी न जाता,
सच्चे मन से जो तुझे पुकारे, संकट दूर हो जाता।

गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया,
घर-घर खुशियां बरसाओ, जय गणपति मोरया।

कवयित्री-ममता दुबे

वर्ग पहेली 6180

संकेतः बाएं से दाएं
1. 10 जून 1933 को मार्गरेट थैचर इस देश की पुनः प्रधानमंत्री चुनी गईं (3)
4. दक्षिण अमेरिका की यह जल की मात्रा के हिसाब से विश्व की सबसे बड़ी नदी है (4)
7. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
8. सेवा, तीमारदारी, खिदमत (3)
9. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहते है (4)
11. वाक्य का अपभ्रंश, बोलता हुआ (2)
14. गृह या भवन को यह भी कहते है (3)
16. प्रतिवासी, पड़ोसी (4)
18. राजा का निवास, भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म (3)
20. पाषाण पटल, शिला, पेषणी (2)
21. उच्चवर्णीय, अंडज, यज्ञोपवीतधारी (2)
22. वह धन जो श्रमादि करके उपार्जित किया हुआ हो (3)
23. वह बाल जिसका पिता का निधन हो गया हो (उर्दू)(3)
24. नदी का अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे
1. पुल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. दर्जी, बेराकार (3)
3. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)
4. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
5. वर्षा, प्रमेह, नर बकरी (2)
6. नवजात शिशु के आगमन पर खुशी इजहार करने पर महिलाओं का जमावड़ा, प्रदर्शनी (3)
10. जड़, नींव, आधार (4)
12. कोई विलक्षण कार्य, करतब (3)
13. हिम्मती, पराक्रमी, बहादुर (4)
15. कार्तिक शुक्ल द्वितीया को होने वाला भाईदूज पर्व इस नाम से भी जाना जाता है (5)
17. पुरुषोत्तम मास, अधिक मास (4)
19. पचित, पचेलिम, पचा हुआ (3)
23. जो, अगर (2)

वर्ग पहेली 6179 का हल

कि	र	ण	बे	दी		गं	ज
ता	न		गा	न	मं	इ	ली
ब	र	स	ना			क	ल
फ		मा		भू	सा		
री	ज	ना	म	चा		आ	शा
श	ल		त	ल	ब	गा	र
	पा	य	ल		ह	मी	दा
सी	न		बी	त	ना		

13 सितंबर 2026 का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है

ग्रहों की चाल का असर आपके प्रेम, परिवार, स्वास्थ्य, धन और कार्यक्षेत्र पर दिखाई दे सकता है। आज कुछ जातकों के लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत और धैर्य की जरूरत होगी। प्रेम जीवन में चल रही गलतफहमियां दूर हो सकती हैं और रिश्तों में मधुरता बढ़ने के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों पर नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं, जबकि कारोबारियों को लाभ के अवसर मिल सकते हैं। अनावश्यक खर्च और जल्दबाजी में निवेश करने से बचें। तो आइए जानते हैं मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर समेत सभी राशियों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

मेष राशि

आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का योग बन सकता है। इस दौरान नए लोगों से मुलाकात होगी, जिनसे भविष्य में आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। होटल कारोबार से जुड़े लोगों को सामान्य दिनों की तुलना में बेहतर लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में अपनापन और तालमेल बढ़ेगा। वहीं संगीत के शौकीन लोगों के लिए कोई शानदार अवसर सामने आ सकता है। किसी शो में गाने का प्रस्ताव मिलने से आपका उत्साह और खुशी दोनों बढ़ सकते हैं।

वृष राशि

आज दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा फल मिलने और सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत हैं। रास्ते में किसी बुजुर्ग की सहायता करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतुष्टि मिलेगी। बच्चे किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपकी सलाह मांग सकते हैं। ऑफिस में काम के प्रति एकाग्रता बनी रहेगी और आप समय पर अपने कार्य पूरे कर लेंगे। स्वास्थ्य भी सामान्य से अच्छा रहेगा। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए किसी बड़ी लॉ फर्म से नौकरी का प्रस्ताव आने की संभावना बन रही है।

मिथुन राशि

आज का दिन आपके लिए उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। अचानक धन लाभ होने से आप अपनी जरूरत की कोई महत्वपूर्ण चीज खरीद सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को पार्टी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। आपके विरोधी भी किसी मामले में आपकी सलाह लेने को मजबूर हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए पदोन्नति के साथ वेतन वृद्धि की खुशखबरी उत्साह बढ़ाएगी। प्रेम संबंधों में चल रही नाराजगी दूर होगी और रिश्ते में फिर से गमजोशी लौटेगी। एक-दूसरे को उपहार देकर आप अपने रिश्ते में नई मिठास ला सकते हैं।

कर्क राशि

आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा, जिससे मन में संतोष और खुशी दोनों आएंगे। काम करने के नए और बेहतर तरीकों पर विचार करेंगे। कार्यस्थल पर आपकी कार्यक्षमता से प्रभावित होकर वरिष्ठ आपकी प्रशंसा कर सकते हैं और आपको किसी प्रकार का पुरस्कार या प्रोत्साहन भी मिल सकता है। दूसरों की मदद करने की भावना प्रबल रहेगी। परिवार के साथ खरीदारी का कार्यक्रम बन सकता है। व्यापारिक योजनाएं गति पकड़ेंगी और रोजगार के नए अवसर भी सामने आ सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत होने के संकेत हैं।

सिंह राशि

आज आपके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और घर की जरूरतों के लिए खरीदारी करने का मौका मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, इसलिए मेहनत में कमी न आने दें। शाम को किसी मित्र की जन्मदिन पार्टी में शामिल होकर पुराने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श करना पड़ सकता है। मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से उपलब्धियां देने वाला साबित हो सकता है।

कन्या राशि

आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रदर्शन से सहकर्मी और वरिष्ठ प्रभावित होंगे तथा आपकी खुलकर तारीफ हो सकती है। जरूरी काम आसानी से पूरे होते जाएंगे। पिता द्वारा व्यापार में दी गई जिम्मेदारियों को आप कुशलता से संभालेंगे। फर्नीचर कारोबार से जुड़े लोगों को उम्मीद से अधिक लाभ मिलने की संभावना है। परिवार के लोग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। हालांकि स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति में स्थिरता बनी रहेगी। दांपत्य जीवन में सुख और मधुरता बढ़ेगी। घर में नन्हे मेहमान के आगमन से खुशियों का माहौल और भी खास हो सकता है।

तुला राशि

आज का दिन आपके लिए कई मायनों में सुखद रहने वाला है। आपका विनम्र व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा और सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। आप अपने खर्चों को नियंत्रित करने की योजना बनाएंगे, जो भविष्य में आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगी। बेवजह किसी बात को लेकर ज्यादा सोचने से बचें, क्योंकि इससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। व्यस्त दिनचर्या के बीच भी अपने लिए समय निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज मिल सकता है। बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए भी दिन अच्छे अवसर लेकर आ सकता है।

वृश्चिक राशि

आज का दिन सामान्य से बेहतर परिणाम देने वाला रहेगा। मकान, प्लॉट या दुकान खरीदने की आपकी पुरानी इच्छा पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। संतान को अच्छी नौकरी मिलने की खबर घर में खुशी का माहौल बना देगी और आप जश्न मनाने की योजना बना सकते हैं। लंबे समय से परेशान कर रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या में राहत मिलने के संकेत हैं। ऑफिस से लौटने के बाद लंबे समय के बाद अपने पसंदीदा काम के लिए समय निकाल पाएंगे, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जीवनसाथी के साथ घूमने का कार्यक्रम बन सकता है। विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल है और सफलता की संभावना मजबूत रहेगी।

धनु राशि

आज का दिन आपके लिए उम्मीद से बढ़कर परिणाम देने वाला हो सकता है। जिस काम को आप अब तक मुश्किल या लगभग असंभव मान रहे थे, उसे पूरा करने में सफलता मिल सकती है। तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करने होंगे। निजी क्षेत्र में नौकरी करने वालों को प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। परिवार के साथ किसी मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। खेल जगत से जुड़े लोगों के लिए भी दिन उत्साहवर्धक रहेगा। ऑफिस में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। हालांकि स्वास्थ्य के मामले में सावधानी जरूरी है।

मकर राशि

आज का दिन खुशी और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से आपकी प्रसन्नता बढ़ेगी। लंबे समय से नए वाहन का सपना देख रहे हैं तो आज वह पूरा हो सकता है। किसी करीबी मित्र से दिल की बातें साझा करेंगे और उसकी ओर से आपको समझ और सहयोग मिलेगा। परिवार में आपकी बातों को पूरा सम्मान मिलेगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। नवविवाहित दंपतियों के लिए साथ में घूमने-फिरने का अच्छा अवसर बनेगा। प्रेम संबंधों में भी दिन सुखद रहेगा और आप अपने प्रिय के साथ यादगार समय बिता सकते हैं।

कुंभ राशि

आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई नए अनुभव लेकर आएगा। आपको अपनी भूमिका या जिम्मेदारियों में बदलाव महसूस हो सकता है। जिम ट्रेनर और फिटनेस से जुड़े लोगों के लिए काम के लिहाज से अच्छा समय रहेगा। आपके व्यावसायिक कौशल में निखार आएगा और पद या आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। जीवन में खुशी के नए कारण मिलेंगे। दिन अलग-अलग गतिविधियों में व्यस्त रहेगा, लेकिन आप अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर कठिन से कठिन काम को भी पूरा करने में सफल होंगे।

मीन राशि

आज का दिन आपके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आएगा। आपका मन रचनात्मक कार्यों की ओर आकर्षित होगा और इससे आपके अनुभव व कौशल में भी वृद्धि होगी। ऐसे प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। कोई महत्वपूर्ण काम सफलतापूर्वक पूरा होने से मन हल्का और तनाव कम महसूस होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही नाराजगी समाप्त होगी और परिवार में फिर से खुशियां लौटेंगी। व्यापार विस्तार को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सरपंच पर मकान तोड़ने के प्रयास का आरोप, आंदोलन की चेतावनी

सरकारी योजनाओं से भी वंचित किया जा रहा है

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम भोथीपार खुर्द नया पारा के सरपंच जितेन्द्र साहू पर मनमानी कर गरीब का मकान तोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगा है। इसे लेकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार के साथ सुरगी-सिंघोला क्षेत्र के कांग्रेस प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर आपत्ति जताई।

पीड़ित कोमल विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि सरपंच व्यक्तिगत द्वेष निकाल रहा है। उसका मकान 50 वर्षों से बना हुआ है, गांव में लगभग 30 मकान घास जमीन पर हैं, जिसमें सरपंच भी काबिज है। आरोप है कि सरपंच के पास अपने मकान तक आने-जाने का रास्ता होने के बावजूद पीड़ित के मकान का आधा हिस्सा मांग रहा है और नहीं देने पर मकान तोड़ने की कोशिश कर रहा है। साथ ही सरकारी योजनाओं से भी वंचित किया जा रहा है।

कांग्रेस प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि सरपंच पूर्व सांसद अभिषेक सिंह की राजनीतिक पहुंच का हवाला देकर प्रशासन पर मकान तुड़वाने का दबाव बना रहा है, जिसकी उन्होंने घोर निंदा की और कार्रवाई की मांग की। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, किसान कांग्रेस जिला महामंत्री योगेन्द्र दास वैष्णव, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण साहू, जनपद सदस्य मेघराज चंद्राकर, सरपंच दिह्लू साहू, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि केशव साहू, सरपंच प्रतिनिधि राहुल साहू, हेमशंकर साहू, उपसरपंच गौतम निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ड्रग तस्करी पर कोतवाली पुलिस की 180 नशीले टेबलेट के साथ एक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने ड्रग तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 180 नग प्रतिबंधित नशीला टेबलेट जब्त किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 1,85,760 रुपये बताई जा रही है।

पुलिस को 10 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि परांडांड निवासी मो. इम्तियाज अंसारी होंडा साइन मोटरसाइकिल से नशीला टेबलेट बेचने अग्रसेन रोड बैंक के पीछे खेत के पास आने वाला है। सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम मो. इम्तियाज अंसारी पिता अख्तर अंसारी, उम्र 27 वर्ष, निवासी परांडांड अंबिकापुर बताया। उसकी मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर 180 नग नशीला टेबलेट बरामद हुआ। पुलिस ने टेबलेट के साथ घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली।

आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 636/26 धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, उप निरीक्षक के.के यादव, आरक्षक नितिन सिन्हा, विवेक राय, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

खास खबर

चिखली पुलिस की कार्रवाई अशांति फैलाने वाले तीन बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी त्योहारों को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चिखली पुलिस ने अशांति फैलाने वाले तीन बदमाशों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई।

आरोपी -1. आकाश वासनिक पिता गणेश वासनिक, उम्र 27 साल, निवासी शांतिनगर अंबेडकर चौक 2. विकास मेश्राम पिता स्व. हरी मेश्राम, उम्र 31 साल, निवासी शांतिनगर अंबेडकर चौक 3. देवेन्द्र मानिकपुरी पिता स्व. चेतन दास मानिकपुरी, उम्र 32 साल, निवासी दीवानटोला वार्ड नं. 02 तीनों द्वारा वाद-विवाद कर शांति भंग करने और अप्रिय घटना की संभावना पर उनके विरुद्ध पृथक-पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चंद्र मर्दे, पीएसआई दुर्गेश कुमार धुरंधर, म.प्र.आर. वंदना पटले, आरक्षक सुनील बैरागी, गोपाल पैकरा, आदित्य सोलंकी, चंद्रकपुर आयाम, टीकाराम ध्रुव व चिखली स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मोहारा में अवैध अंग्रेजी शराब के बड़े डम्प पर पुलिस का छापा, 89 लीटर से अधिक शराब और पैकिंग का जखीरा जब्त

राजनांदगांव। साइबर सेल और चौकी मोहारा पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध शराब के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। खेत के बोरघर में छिपाकर रखी गई 89.46 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब के 497 पौवा जब्त किए गए हैं। साथ ही अवैध पैकिंग-लेबलिंग का बड़ा जखीरा भी बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर ग्राम मोहारा में शराब भट्ठी रोड के पास दउवा वर्मा के खेत के बोरघर में दबिश दी गई। कार्रवाई निरीक्षक शंकर गिरी गोस्वामी और साइबर सेल प्रभारी विनय पम्मार के नेतृत्व में की गई। इसके अलावा मौके से 2820 स्टीकर, 2541 लेबल पर्चियां, 303 खाली शराब शीशियां, 598 ढक्कन और 1 लोहे की कैंची बरामद की गई।

मौके पर मौजूद बोरघर मालिक दउवा वर्मा (60 वर्ष) कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा पाया। पूछताछ में उसने बताया कि शराब उसके भांजे नंदकिशोर वर्मा उर्फ छोटा कट्टी ने मंगवाई और महेन्द्र वर्मा उर्फ बड़े कट्टी ने बोरघर में डम्प की थी। पुलिस ने दउवा वर्मा और नंदकिशोर वर्मा (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि महेन्द्र वर्मा (28 वर्ष) फरार है। तीनों के खिलाफ धारा 34(2), 36 व 59 आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है।

भिलाई महिला समाज का रंगारंग आयोजन
सोमा दाम बनीं महा तीज तेजस्विनी दिवा-2026

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भिलाई की सबसे पुरानी सामाजिक संस्था भिलाई महिला समाज (बीएमएस) द्वारा 11 सितंबर को अन्तर शाखीय युगल नृत्य प्रतियोगिता एवं महा तीज तेजस्विनी-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएमएस के सभी दस क्लबों की तीज विजेताओं और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रंगारंग प्रस्तुतियों से सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम, उपाध्यक्ष श्रीमती मोली चक्रवर्ती, श्रीमती केका सरकार, श्रीमती पूनम कुमार, डॉ. स्मिता भास्कर एवं श्रीमती आभा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। युगल नृत्य प्रतियोगिता की निर्णायक सुश्री गुंजन चौहान चंदेल एवं सुश्री सुनयना जसवीर थीं। कोर कमेटी की सह सचिव चैती पॉल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन एवं सह कोषाध्यक्ष रीता तिवारी भी मौजूद रहीं।

सोमा दाम बनीं तेजस्विनी दिवा-2026 हातेजस्विनी दिवा-2026 का खिताब मरौदा क्लब की श्रीमती सोमा दाम ने जीता। नेहरू नगर क्लब की संगीता कौर प्रथम उप विजेता और स्मृति नगर स्वागतम क्लब की बरखा गौड़ द्वितीय उप विजेता रहीं। जजेज च्वाइस सम्मान चेतना देवांगन एवं आशा सिरमोर को दिया गया।

युगल नृत्य में सेक्टर-10बी क्लब प्रथम

युगल नृत्य प्रतियोगिता में सेक्टर-10बी क्लब ने प्रथम, स्मृति नगर क्लब ने द्वितीय और मरौदा क्लब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रिया पगारे ने किया और आभार प्रदर्शन जेस्सी सुनील ने किया।

राजनांदगांव में हत्या के प्रयास के दो आरोपी गिरफ्तार
चाकू-पत्थर से किया था हमला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू और पत्थर भी जब्त किया गया है।

मामला 10 सितंबर की शाम का है। प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने साले के साथ उसकी पत्नी की डिलीवरी देखने पेंड्री अस्पताल गया था। वहां से लौटते समय लखोली बैगापारा मेन रोड पर शाम करीब 4:30 बजे आरोपी पीयूष, दीपक, अजय वर्मा और करण साहू ने उसके साले को रोक लिया। पूछने पर चारों ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू और पत्थर से प्राणघातक हमला कर दिया। घायल को तुलसी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल राजनांदगांव में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 533/26 धारा 109(1), 296, 351(3), 118(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश, एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में पेट्रोलिंग टीम ने घेराबंदी कर पीयूष और दीपक को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपने साथी अजय वर्मा और करण साहू के साथ घटना करना स्वीकार किया। दोनों को आज न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। दो अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी दीपक के खिलाफ पहले से जुआ एक्ट और पीयूष के खिलाफ मारपीट का अपराध दर्ज है।

गिरफ्तार आरोपी -

1. पीयूष बाघमारे पिता सुनील बाघमारे, उम्र 24 साल, निवासी राहुल नगर लखोली

2. दीपक वैष्णव पिता बलदाऊ वैष्णव, उम्र 20 साल, निवासी राजीव नगर लखोली

पुलिस अलर्ट, एसपी अंकिता शर्मा ने पंडालों और विसर्जन मार्ग का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी गणेश उत्सव एवं विसर्जन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने आज अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख गणेश पंडालों, बाजार और विसर्जन मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

एसपी ने 14 सितंबर से शुरू हो रहे गणेश उत्सव की पूरी अवधि और विसर्जन तक कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बाजार और प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में अगले 10 दिनों तक यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने को कहा। पंडालों और बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जाम न लगे और व्यापारियों व नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए पर्याप्त बल तैनात करने के निर्देश दिए।

इसके बाद एसपी ने पुलिस बल के साथ विसर्जन मार्ग का पैदल भ्रमण किया। प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था

और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। बाद में मोहारा स्थित विसर्जन कुंड और वहां जाने वाले मार्गों का बाइक पेट्रोलिंग से निरीक्षण कर सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंडालों के आसपास सुरक्षा, नियमित पेट्रोलिंग, सतत निगरानी और गणेश उत्सव समितियों से समन्वय बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, डीएसपी वाजपेयी, डीएसपी विधिराज, रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर, निरीक्षक उपेन्द्र शाह, यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्रवाई आरोपियों से 6 मोबाइल, 1 होंडा एक्टिवा, 1 लैपटॉप, 2 प्रिंटर, की-बोर्ड-माउस जब्त किया गया

फर्जी पट्टा से जमानत कराने वाले रैकेट का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

सरगुजा पुलिस ने कोर्ट में फर्जी पट्टा और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए आरोपियों की अवैध जमानत कराने वाले बड़े गिरोह पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर 5 फर्जी पट्टा, फर्जी आधार कार्ड, लैपटॉप, प्रिंटर और स्कूटी जब्त की है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में कोतवाली और साइबर सेल की टीम ने यह कार्रवाई की। 11 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग कोर्ट में पट्टा पुस्तिका और आधार कार्ड के जरिए पैसा लेकर जमानत करवा रहे हैं।

सूचना पर पुलिस ने कला केंद्र मैदान के चबूतरे के पास घेराबंदी कर 5 लोगों को पकड़ा - बुधराम गोंड (55), अजय मानिकपुरी उर्फ जयलाल (40), रामेश्वरी यादव (30), दशमेत गोंड (40) और ममता पैकरा उर्फ बिलासो (29)। इनके स्कूटी क्रमांक

उज्र 15/उब्र/8688 की डिक्की से 5 फर्जी किसान पट्टा और आधार कार्ड मिले, जो बिना हस्ताक्षर और फर्जी सील के थे।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे जरूरतमंद आरोपियों से पैसा लेकर फर्जी पट्टे से जमानत कराते थे। दस्तावेज अंबिकापुर के पट्टा दलाल राज जायसवाल (34) द्वारा उपलब्ध कराए जाते थे। उसकी निशानदेही पर शशिभूषण सिंह (36), निवासी नवापारा को भी पकड़ा गया, जो फर्जी पट्टा बनाता था। आरोपियों से 6 मोबाइल, 1 होंडा एक्टिवा, 1 लैपटॉप, 2 प्रिंटर, की-बोर्ड-माउस जब्त किया गया। थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 639/26 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 319(2), 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। एसपी ने अपील की है कि नागरिक बिना जान-पहचान के लोगों को जमानत के लिए अपना पट्टा या ऋण पुस्तिका न दें, आरोपी फरार होने पर पट्टा जब्त भी हो सकता है।

जशपुर-किसान मधुसूदन के लिए गौ पालन बना मजबूत आय का साधन

नई दृष्टिबिंदु /जशपुरनगर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर के किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। जिले के नगर पंचायत बगीचा के किसान मधुसूदन भगत पिछले कई वर्षों से समर्पण और मेहनत के साथ गौपालन को सफल व्यवसाय के रूप में आगे बढ़ा रहे है। आधुनिक तकनीकों और पशुधन विकास विभाग की मदद से उन्होंने अपने पशुपालन को एक प्रेरणादायक मॉडल बना दिया है।

27 गाय प्रतिदिन 60 लीटर से ज्यादा दूध देती है नगर में खपत हो जाती है। किसान ने कुल 27 गौ पालन कर रहे हैं और पशुओं के गोबर का उपयोग अपने खेतों में खाद के रूप में करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास जर्सी नस्ल के गाय है कुछ लोकल मिक्स ब्रीड के गाय का भी पालन करते हैं। बगीचा के पशु चिकित्सालय से पशुओं का नियमित इलाज और टीकाकरण करवाते हैं।

उनकी गाय प्रतिदिन सुबह और शाम 10 से 12 लीटर दूध देने की क्षमता रखती है। के खाने के लिए मक्के के चूरे को खौलते पानी में डालकर पकाया जाता है जिसे गाय बहुत चाव से खाती हैं। और इससे दूध के उत्पादन में भी बढ़ोत्तरी होती है। दिन में दो बार गोबर को एकत्रित कर उसे वर्मी कम्पोस्ट बनाने में उपयोग किया जाता है। मधुसूदन भगत की यह पहल बताती है कि सही जानकारी मेहनत और विभागीय सहयोग से पशुपालन भी किसानों के लिए मजबूत आय का माध्यम बन सकती है।

कॉन्फिडेंस पैदा करता है जॉब इंटरव्यू से पहले होमवर्क

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंडस करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजिटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खोलता है स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बोस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वतः ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंट्स की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

कैसे बनाएं जॉब और इंटरव्यू के लिए बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विदेश में करनी है नौकरी बस करने होंगे ये जरूरी काम

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव – जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

उड़ता तीरः भारत-पाकिस्तान की बॉर्डर पर उलझे दिखे आयुष्मान

आयुष्मान खुराना की अगली फिल्म 'उड़ता तीर' का पोस्टर रिलीज हुआ। यह कॉमेडी में लिपटी हुई स्पाई फिल्म नजर आ रही है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मेकर्स ने पोस्टर में क्या दिखाया?

फिल्म 'उड़ता तीर' का पोस्टर जारी हो चुका है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पोस्टर में आयुष्मान खुराना दो मील के पत्थरों से लटकते नजर आ रहे हैं। एक पर भारत और दूसरे पर पाकिस्तान लिखा है। वहीं उनके हाथ में एक फाइल है जिसमें टॉप सीक्रेट लिखा हुआ है। इसके साथ ही इस पोस्टर पर लिखा है 'देशभक्ति याद है पर देश नहीं'

कौन हैं निर्माता - निर्देशक?

फिल्म 'उड़ता तीर' को करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और गुनीत मोंगा की सिख्या प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। इससे पहले दोनों प्रोडक्शंस साथ में 'किल', 'ग्यारह-ग्यारह', 'द लंच बॉक्स' जैसी फिल्में बना चुके हैं। वहीं अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और अचिन जैन इस फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म का निर्देशन आकाश ए कौशक ने किया है। इस फिल्म से वह बतौर निर्देशक अपना डेब्यू कर रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'उड़ता तीर' 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक स्पाई कॉमेडी फिल्म है। पहले यह फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली थी। मगर फिर इसे अक्टूबर में रिलीज करने की घोषणा की गई। बॉक्स ऑफिस पर आयुष्मान खुराना की फिल्म के कुछ दिन पहले ही अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' रिलीज होने वाली है। इसे एक तरह क्लैश माना जा सकता है।

तापसी ने बताया महिला केंद्रित फिल्मों का दर्द

तापसी ने साफ कहा कि बॉलीवुड में पुरुष केंद्रित और महिला केंद्रित फिल्मों के आकलन के मापदंड पूरी तरह अलग हैं। तापसी के अनुसार, अगर किसी बड़ी महिला प्रधान फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब रहता है, तो उसका नुकसान केवल उस फिल्म के मेकर्स को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री की बाकी सभी अभिनेत्रियों और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को उठाना पड़ता है। क इंटरव्यू में जब तापसी से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' के प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने माना कि ऐसी फिल्मों के न चलने का असर अन्य अभिनेत्रियों पर भी पड़ता है। पसी ने बताया, यह हर साल की कहानी बन चुकी है। जैसे ही किसी बड़े बजट या बड़े सुपरस्टार की महिला केंद्रित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती, इन्वेस्टर्स की भाषा तुरंत बदल जाती है। वे कहने लगते हैं कि 'आजकल महिला प्रधान फिल्में नही चल रही हैं, जब इतनी बड़ी स्टार की फिल्म पिट गई तो बाकी का क्या होगा?' इसके बाद कई चलती हुई बातचीत रुक जाती है और बनने वाली फिल्में ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।

मेल वर्सेस फीमेल: दोहरे मापदंडों का शिकार होती हैं फिल्में

तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि मेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों और फीमेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों को तोपने का तरीका बहुत असमान है। बड़ी स्टार-कास्ट वाली पुरुष प्रधान फिल्मों को अक्सर कमजोर कहानी के बावजूद सिर्फ एक्शन और ग्लैमर के दम पर स्वीकार कर लिया जाता है। तापसी ने कहा, अगर किसी मेल-ड्रिवन फिल्म की कहानी 10 में से 5 या 6 भी हो, तो भी वह चल जाती है। लेकिन जब महिला प्रधान फिल्म पर पैसा लगाया जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि कहानी 10 में से 11 होनी चाहिए। हमारे लिए गलती करने की गुंजाइश बिल्कुल माइनस में होती है।

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है 'गांधारी'

देवाशीष मखीजा के निर्देशन और कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'गांधारी' में तापसी पन्नू के साथ इशवाक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और दर्शकों द्वारा तापसी के एक्शन अवतार को सराहा जा रहा है।

'धुरंधर' जैसी बड़ी फिल्मों से बजट की तुलना गलत

तापसी ने यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया में जब किसी महिला केंद्रित फिल्म का बजट 'बड़ा' बताया जाता है, तो वह केवल सापेक्षिक होता है। अगर इसकी तुलना 'धुरंधर' जैसी भारी-भरकम बजट वाली मेल-एक्शन फिल्मों से की जाए, तो यह उसका बेहद छोटा हिस्सा होता है। इसके बावजूद, एक असफलता का असर पूरी कम्युनिटी पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि कई बार जब वे किसी प्रोजेक्ट के लिए फंड जुटाने जाती हैं, तो पहले से ही किसी अन्य फीमेल-लेड फिल्म के फ्लॉप होने का हवाला देकर निवेशक हाथ पीछे खींच लेते हैं। हालांकि, तापसी ने इसके सकारात्मक पहलू पर भी रोशनी डाली। उनका मानना है कि जिस तरह एक फ्लॉप से कई फिल्में रुक जाती हैं, ठीक वैसे ही अगर कोई एक फीमेल-ड्रिवन फिल्म हिट हो जाती है, तो अचानक नए रास्ते खुल जाते हैं।

प्रीति जिंटा ने बॉलीवुड के 28 साल के सफर को किया याद

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने जब 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में कदम रखा था, तब बॉलीवुड का माहौल आज से काफी अलग था। कैमरे अलग थे, शूटिंग का तरीका अलग था और कलाकारों के लिए अपनी आवाज और अभिनय को लेकर भी एक अलग तरह की तैयारी करनी पड़ती थी। करीब 28 साल के अपने सफर में प्रीति ने न सिर्फ कई दौर की फिल्मों को देखा, बल्कि खुद उस बदलाव का हिस्सा भी बनीं, जिसने हिंदी सिनेमा को धीरे-धीरे नई दिशा दी। सिनेमा में आए बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर उन्होंने आईएएनएस से बताया कि एक चीज उन्हें आज भी वैसी ही लगती है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव। आईएएनएस से खास बातचीत में प्रीति ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ' 'मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में आने का मौका मिला। उस समय हिंदी सिनेमा में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। फिल्म 'क्या कहना' एक अलग अनुभव लेकर आई। फिल्म की कहानी उस समय के हिसाब से अलग थी और एक नई अभिनेत्री के तौर पर उसमें काम करना मेरे लिए बेहद खास था।'' प्रीति ने कहा, ' 'मेरे इंडस्ट्री में आने से पहले भी इस तरह की कहानियों पर फिल्में बन चुकी थीं, लेकिन मेरे लिए ऐसी फिल्म से शुरुआत करना काफी अलग बात थी।

खतरों के खिलाड़ी के सफर को याद कर भावुक हुए ओरी

सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ओरी (ओरहान अवात्रामणि) ने स्टंट आधारित रियलिटी टेलीविजन शो 'खतरों के खिलाड़ी-15' से बाहर हो गए थे। बुधवार को ओरी ने शो में बिताए अपने सफर को याद करते हुए खास पोस्ट किया। ओरी ने इंस्टाग्राम पर शो के पीछे की कुछ झलकियां शेयर की, जिसमें वे 'खतरों के खिलाड़ी-15' की टीम के साथ 'केप ऑफ गुड होप' में मजे करते नजर आ रहे हैं। ओरी ने लिखा, 'प्रिय रोहित जी, कहते हैं इस जगह का नाम पहले 'केप ऑफ स्टॉर्म्स' था, जिसके बाद में 'केप ऑफ गुड होप' कहा गया। यह वो मोड़ है जहां तूफानी समंदर पार करने के बाद मुसाफिरों को नई रोशनी और आगे का रास्ता दिखता है एक ऐसी उम्मीद जो मुश्किलों के बाद ही मिलती है।' ओरी ने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के दिनों को याद करते हुए लिखा, 'आज अफ्रीका के इस आखिरी छोर पर खड़े होकर, जब समंदर की तेज लहरों और हवाओं का रुख देखा, तो हमारे अपने सफर का ख्याल आ गया। कितने ही मोड़, कितनी ही चढ़ाई और तूफानी दौर पीछे छूट गए, तब जाकर हम इस संतुलन और इस खुली क्षितिज तक पहुंचते हैं। हर मुश्किल सफर के बाद एक ऐसी ही उम्मीद की किरण आती है जो आगे बढ़ने का हौसला दे जाती है।'

मिर्जापुर- द मूवीः फिल्म में अपने किरदार पर बोले पंकज त्रिपाठी

ओटीटी और थिएटर के फर्क पर की बात

कभी ओटीटी पर रिलीज हुई मिर्जापुर सीरीज अब सिनेमाघरों में 'मिर्जापुर: द मूवी' के नाम से रिलीज हो चुकी है। इसमें पंकज त्रिपाठी का किरदार कालीन भैया काफी पॉपुलर हुआ था। अब एक इंटरव्यू में एक्टर ने इससे जुड़ी चुनौतियों के बारे में बात की। पकंज त्रिपाठी ने अपने किरदार के बारे में काफी कुछ बताया। एएनआई से हुई एक बातचीत में उन्होंने कहा, 'यह एक नया किरदार है और इसकी सीमाएं भी दूर तक फैली हुई हैं। लोग इसे 5 इंच से लेकर 100 इंच तक की स्क्रीन पर देखते थे। अब तक लोग इसे व्यक्तिगत रूप में देख रहे थे। अब यह सबके लिए आ रहा है। चार सौ से पांच सौ लोग इसे एक साथ देखेंगे, और स्क्रीन बहुत बड़ी होगी करीब 15 से 20 फीट की।'

क्या सोच कर किया खुद को तैयार?

अपनी बातचीत में आगे पंकज त्रिपाठी ने बताया कि मिर्जापुर की कहानी हमारे लिए हमेशा चुनौती पूर्ण रही है। उन्होंने कहा, 'मिर्जापुर: द मूवी के किरदारों को समझना कठिन था। खासकर अभिनेता के लिए पर हमने वह काम पहले ही कर लिया है। भले ही हम एक सीरीज बनाएं, फिर भी वह हमारे लिए एक फिल्म ही है। हमारे लिए स्क्रीन के प्रारूप को समझना महत्वपूर्ण है। यही हमारा काम है। यही हमारी कला है। चाहे वह ओटीटी हो या बड़ा पर्दा, हमारे लिए तो बात एक जैसी ही है।'

व्यक्तिगत जीवन के बारे में क्या बताया?

अपने व्यक्तिगत जीवन में अभिनय के महत्तव के बारे में पंकज ने कहा, 'एक अभिनेता के रूप में, आपको जानना, पढ़ना और रिसर्च करना चाहिए। लेकिन आपको यह पता होना चाहिए कि आप कौन हैं, आप कहां से आए हैं और आप यहां कैसे पहुंचे हैं?

'मिर्जापुर द मूवी' ने 4 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। सिनेमाघरों में फिल्म का कलेक्शन काफी अच्छा चल रहा है। अपनी रिलीज से पांच दिनों में फिल्म ने 114 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की कास्ट में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल मुख्य किरदारों में है। वहीं इन स्टार्स के अलावा मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, प्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंग्शा बिस्वास, शाजी चौधरी, सत्येंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह अहम भूमिकाओं में हैं।

'मिर्जापुर' ने पहचान दी, एक साल काम नहीं मिला तो डिप्रेशन में गई

'मिर्जापुर' की डिंपी यानी हर्षिता गौर लंबे समय से दर्शकों के बीच पहचान बना चुकी हैं। 'साड्डा हक' के बाद उन्हें करीब एक साल तक काम नहीं मिला। इस दौर में उन्हें खुद भी पता नहीं था कि वह डिप्रेशन से गुजर रही हैं। एक्टिंग वर्कशॉप ने उन्हें इससे बाहर निकलने में मदद की। 'मिर्जापुर' ने उनके करियर को नई पहचान दी और अब वह फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। बातचीत में हर्षिता ने करियर के उतार-चढ़ाव का किस्सा साझा किया।

'साड्डा हक' के बाद आपके करियर में सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?

'साड्डा हक' खत्म होने के बाद करीब एक साल तक मेरे पास काम नहीं था। शो तीन साल चला था और मुझे लगा था कि अब फिल्मों में काम करूंगी। लेकिन काम मिलना आसान नहीं था। शुरुआत के एक-दो महीने घूमने-फिरने में निकल गए। उसके बाद मुंबई में बिना काम के रहना एक एक्टर के लिए काफी मुश्किल होता है। उस समय मैं डिप्रेशन में चली गई थी।

उस समय आपको पता था कि आप डिप्रेशन में जा रही हैं?

नहीं, उस समय मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था। बाद में डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में पता चला तो पीछे मुड़कर समझ आया कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा था। मैं मुंबई वाले घर में ही रहती थी। एक दिन पड़ोस वाली आंटी आईं और उन्होंने कहा कि काफी दिनों से दिखाई नहीं दीं। तब भी मैं किसी को ठीक से नहीं बता पा रही थी कि मेरे साथ क्या हो रहा है।

फिर इस दौर से बाहर कैसे निकलीं?

मैंने अतुल मंगिया के सजेस्ट करने पर एक एक्टिंग वर्कशॉप की। मैं आज भी उन्हें अपना गुरु मानती हूं। उन्होंने मुझे एक एक्टर के तौर पर बेहतर किया और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे बचाया भी। वह अनुभव मेरे लिए थेरेप्यूटिक रहा। उसके बाद समझ आया कि ऐसा महसूस होने पर थेरेपिस्ट से भी बात की जा सकती है। उस समय मुझे मेंटल हेल्थ या डिप्रेशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

'मिर्जापुर' आपके करियर में कब आया?

'मिर्जापुर' मैंने अक्टूबर 2017 से करना शुरू किया था। उससे पहले मेरी एक्टिंग वर्कशॉप हो चुकी थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ साबित हुआ। शो ने मुझे लोगों तक पहुंचाया और डिंपी के किरदार से मुझे अलग पहचान मिली।

'मिर्जापुर' की वजह से आपको आगे कितना फायदा मिला?

बहुत फायदा हुआ। 'जहानाबाद' का काम भी कहीं न कहीं 'मिर्जापुर' की वजह से मिला। साउथ की फिल्म 'फलकनुमा दास' भी मिली। जब लोग आपको किसी काम में देख चुके होते हैं तो उनका भरोसा बढ़ जाता है। 'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में यह भरोसा बनाने में बहुत मदद की।

साउथ की फिल्म के बाद वहां आगे काम क्यों नहीं कर पाईं?

'फलकनुमा दास' 2019 में रिलीज हुई थी। उसके बाद मैं वहां और काम करना चाहती थी, लेकिन लगातार दो लॉकडाउन आ गए। मैं वापस वहां जा ही नहीं पाई। वरना मेरी साउथ में और काम करने की इच्छा थी।

इस जर्नी में आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या रही?

खुद को पहचानना। मेरे लिए पर्सनल ग्रोथ सबसे बड़ी सफलता है। इस फील्ड में रहते हुए समझ आया कि मैं कौन हूं, मेरी स्ट्रेंथ, कमजोरियां और पैटर्न क्या हैं और मैं अपने काम में क्या लेकर आती हूं।

इतने सालों में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?

अपनी उम्मीदों और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना। हम ए से शुरू करते हैं और जेड तक पहुंचना चाहते हैं। बी, सी या डी तक पहुंचने पर लगता है कि अभी जेड तक नहीं पहुंचे। हम भूल जाते हैं कि शुरुआत ए से की थी। अपनी प्रगति को पहचानना और उसकी अहमियत समझना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही।

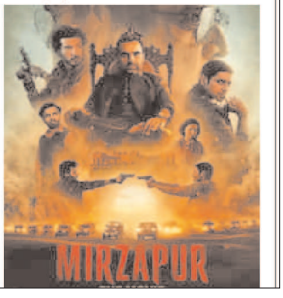

श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के जन्मदिन पर दिनभर हुए विविध आयोजन, युवाओं ने लिया शांतिपूर्ण और विकसित बस्तर का संकल्प

'नक्सलमुक्त बस्तर' के संदेश के साथ मैराथन में दौड़ा भिलाई बारिश के बीच 51 फीट का भगवा ध्वज फहराया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई नगर।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को सेवा, खेल और सनातन संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह सिविक सेंटर से ह्वरन भिलाई रन-द स्टील सिटी रनह्व मैराथन निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और पुरुषों ने हिस्सा लेकर ह्यनक्सलमुक्त बस्तरह्व का संदेश दिया। वहीं शाम को भारी बारिश के बीच सेक्टर-9 हनुमान चालीसा चौक पर 51 फीट ऊंचे विशाल भगवा ध्वज का ध्वजारोहण किया गया।

सुबह आई लव भिलाई चौक, सिविक सेंटर से 5 किलोमीटर मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। मैराथन की मुख्य थीम ह्यनक्सलमुक्त बस्तरह्व रखी गई थी। बस्तर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं के साथ आदिवासी एवं अनाथ बच्चों ने भी सहभागिता की।

आयोजकों के अनुसार मैराथन का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि युवाओं में एकता, शांति और विकास की भावना को मजबूत करना भी था। प्रतिभागियों ने नक्सलमुक्त, विकसित और शांतिपूर्ण बस्तर के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

मनीष प्रथम, आशुतोष द्वितीय और लिलेश्वर तृतीय

मैराथन के पुरुष वर्ग में बिलासपुर के मनीष (बैच क्रमांक 757) ने प्रथम, भिलाई के आशुतोष सिंह (बैच 712) ने द्वितीय तथा राजनांदगांव के लिलेश्वर (बैच 107) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भिलाई की रुक्मणी साहू प्रथम रहीं। विजेताओं को समिति के संरक्षक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

मूसलाधार बारिश में भी नहीं थमा उत्साह

शाम को सेक्टर-9 स्थित हनुमान चालीसा चौक पर मौसम ने करवट ली और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इसके बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कार्यकर्ता कार्यक्रम में डटे रहे। बारिश के बीच 51 फीट ऊंचे विशाल भगवा ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती हुई। ह्वजय श्रीरामह्व और ह्वजय बजरंगबलीह्व के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने कहा कि विपरीत मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं की मौजूदगी सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता के प्रति उनकी आस्था को दर्शाती है। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, सामाजिक एकता और सनातन संस्कृति का संदेश दिया गया। इससे पहले मनीष पाण्डेय ने सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर बजरंगबली का आशीर्वाद लिया। दिनभर सेक्टर-8 स्थित स्नेह संपदा, सिविक सेंटर के नया नवदीप विद्या मंदिर, सेक्टर-1 बीएसएनएल चौक और सेक्टर-9 स्थित निवास सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समिति ने मैराथन और भगवा ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल खिलाड़ियों, युवाओं, मातृशक्ति, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों एवं भिलाई-दुर्ग के

स्टेट सीनियर फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप में गगन साहू की बादशाहत, पांचवें चक्र के बाद अकेले शीर्ष पर

रायगढ़ के गगन ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की, स्पर्श खंडेलवाल और प्रभमन सिंह 4 .5 अंक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप में पांचवें चक्र के बाद रायगढ़ के गगन साहू ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता में एकल बढ़त बना ली है। 10 से 13 सितंबर तक चल रही इस आठ चक्र की स्विस सिस्टम प्रतियोगिता में गगन के अब 5 अंक हो गए हैं।

जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा अग्रसेन जन कल्याण एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता के पांचवें चक्र का शुभारंभ नोबल एकेडमी स्कूल की डायरेक्टर एवं प्राचार्या काव्या मेश्राम ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया और कहा कि नियमित रूप से ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है।

गगन ने यश सिंह को दी मात

पांचवें चक्र में दूसरे बोर्ड पर तीसरी वरीयता प्राप्त गगन साहू (1957), रायगढ़ ने सफेद मोहरों से खेलते हुए यश सिंह (1773), रायपुर को पराजित किया। इस जीत के साथ गगन ने लगातार पांच मुकाबले जीतकर 5 अंकों के साथ तालिका में अकेले शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं पहले बोर्ड पर शीर्ष वरीयता प्राप्त एआईएम स्पर्श खंडेलवाल (2013), राजनांदगांव और चौथी वरीयता प्राप्त प्रभमन सिंह मल्होत्रा (1822), कोरबा के बीच कड़ा मुकाबला ड्रॉ रहा। दोनों के खाते में अब 4.5 अंक हैं।

तीसरे बोर्ड पर सालिक नवाज मनिहार (1805), राजनांदगांव ने अहिलान रॉय (1730), रायपुर को हराकर 4.5 अंक हासिल किए। चौथे बोर्ड पर दूसरी वरीयता प्राप्त यशद बांबेश्वर (1970), दुर्ग को संस्कार कश्यप के खिलाफ वॉकओवर मिला। पांचवें बोर्ड पर एआईएम शुभम सिंह (1679), रायगढ़ ने लोकेश पांडे (1787), बिलासपुर को पराजित किया।

अंतिम तीन दौर बाकी, छठा चक्र अहम

पांचवें चक्र के बाद प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला और रोचक हो गया है। शीर्ष खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर कम होने के कारण आगामी तीन चक्र निर्णायक साबित हो सकते हैं। अंशुल शर्मा, मयंक सोनारे और भीमिक सिंह चौहान ने भी जीत दर्ज कर अपने अंक 4 तक पहुंचा लिए हैं और शीर्ष पुरस्कार की दौड़ में बने हुए हैं।

प्रतियोगिता में काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ियों का भी दबदबा देखने को मिला। बोर्ड 3, 5, 6, 7 और 9 पर काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ियों ने जीत दर्ज की। इनमें रजनीकांत बक्सी और सावी गौरी की जीत उल्लेखनीय रही। प्रतियोगिता का संचालन इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, सहायक निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं सहायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा की देखरेख में किया जा रहा है।

आज होगा समापन, विधायक ललित चंद्राकर करेंगे पुरस्कार वितरण

चैंपियनशिप का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 13 सितंबर रविवार को शाम 5.30 बजे अग्रसेन भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर होंगे। अध्यक्षता अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में उमा अग्रवाल, समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा तथा विक्रम अवॉर्डी एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी किरण अग्रवाल शामिल होंगी। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि अंतिम दौर में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर की संभावना है।

कलेक्टर के पहल से वृद्ध कृषक की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पहचान का एक छोटा-सा दस्तावेज किसी व्यक्ति के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है, इसका जीवंत उदाहरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत झलपी (पोस्ट-महाराजगंज) निवासी 75 वर्षीय वासुदेव गुप्ता का प्रकरण है। पहचान पत्र न बन पाने के कारण उन्हें लंबे समय से विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रहना पड़ रहा था। किन्तु यह बदलाव तब संभव हुआ जब प्रशासन की संवेदनशील सोच ने सेवा संकल्प का प्राथमिकता में रखकर कार्य किया।

आधार कार्ड आज के समय में हर भारतीय नागरिक की पहचान एवं वित्तीय लेन-देन और सरकारी योजनाओं का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है। बीते चार वर्षों के दौरान श्री वासुदेव गुप्ता ने क्षेत्र के लगभग हर आधार केंद्र के चक्कर काटे और कई बार नामांकन भी करवाया। हालांकि, जब भी वे पावती से स्थिति की जांच करवाते, तो हर बार तकनीकी कारणों का हवाला देकर उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाता था। इस समस्या के समाधान और पहचान संख्या प्राप्त करने की उम्मीद में उन्होंने अंबिकापुर स्थित सेवा केंद्र तक की दौड़ लगाई, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी। लगातार आ रही इन बाधाओं के चलते उनकी उम्मीदें धीरे-धीरे टूटने लगी थीं।

इस मामले में नया मोड़ तब आया जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की संवेदनशील पहल पर जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की ऐसी लंबित शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला टीम तथा संबंधित तकनीकी कार्यालयों (ई-डीएम, डीसी एवं एमटीओ) ने तकनीकी अड़चनों की गहराई से पड़ताल की। आपसी समन्वय से समाधान का मार्ग निकालते हुए अंततः श्री गुप्ता का दस्तावेज सफलतापूर्वक तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया। दस्तावेज के तैयार होते ही वृद्ध कृषक के लिए शासन की तमाम कल्याणकारी योजनाओं के रास्ते खुल गए हैं। इसके अपडेट होने से अब श्री वासुदेव गुप्ता एग्री स्टैक पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे, जिससे उन्हें सुगमता से धान विक्रय करने और अन्य कृषि-हितैषी योजनाओं का लाभ मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त पेंशन योजना, राशन कार्ड की ई-केवायसी, बैंकिंग सेवाओं तथा ऋण संबंधी प्रक्रियाओं का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संबल प्राप्त होगा।

दुष्कर्म के आरोपी को 3 घंटे में पुलिस ने पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना बसंतपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को रिपोर्ट दर्ज होने के महज 3 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। आरोपी करण यादव (21), पिता ओमप्रकाश यादव, निवासी चौखड़ियापारा, थाना बसंतपुर का है। प्रार्थिया ने 9 सितंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी ने नाबालिग होने की जानकारी के बावजूद पीड़िता से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। अपराध से बचने के लिए आरोपी ने उसी दिन पीड़िता से विवाह भी कर लिया। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 416/2026, धारा 65(1), 87 बीएनएस और धारा 4 पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंकिता शर्मा, एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी वैशाली जैन के निर्देशन में थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

जिले में अब तक 774.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 12 सितम्बर 2026 तक 774.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 953.8 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 503.3 मिमी, तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 924.9 मिमी, तहसील बोरी में 641.5 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 800.3 मिमी और तहसील अहिवारा में 582.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 12 सितम्बर 2026 को तहसील दुर्ग में 88.0 मिमी, तहसील धमधा में 1.6 मिमी, तहसील पाटन में 20.6 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 37.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 9.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100